भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 282 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज बुधवार 06 सितम्बर 2021 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रिया योगः साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस हजार वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

एक करोड़ छात्रों को टैबलेट, घर खरीदने पर केवल 500 स्टांप शुल्क

यूपी की योगी कैबिनेट में लिये गए कई फैसले

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी की योगी सरकार ने मंगलवार को छात्रों और कमजोर वर्ग के लोगों के लिए बड़ा फैसला लिया है। राज्य कैबिनेट की बैठक में एक करोड़ छा-छात्राओं को टैबलेट देने का फैसला किया गया है। इसके साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता के लिए भी योजनाओं की घोषणा की गई है।

योगी सरकार टैबलेट योजना पर 3000 करोड़ खर्च करेगी। योगी सरकार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग की सहायता के लिए एलआईजी घर खरीदने पर केवल 500 स्टांप शुल्क लेगी। सरकार के प्रवक्ता और कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि जनपद कानपुर नगर में सर्किट हाउस में अटल बिहारी वाजपेयी की मूर्ति की स्थापना की जाएगी। जिसकी लागत 37.35 लाख रुपये होगी। 3 महीने में ये काम पूरा किया जाएगा। सिद्धार्थनाथ सिंह ने बताया कि बैठक में 25 बिंदुओं पर मुहर लगी है। इसमें युवाओं को टैबलेट वितरण को लेकर प्रस्ताव पर मंजूरी मिल गई है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में उच्च शिक्षा और तकनीकी शिक्षा, पॉलिटेकिन्क के छात्रों को टैबलेट दिया जाएगा। करीब 60 लाख से 1 करोड़ बच्चों को स्मार्ट फोन या टैबलेट मिलेगा। जेम पोर्टल के माध्यम से पूरी प्रक्रिया होगी, इसमें करीब 3000 के करीब बजट खर्च होगा।

इसके अलावा कैबिनेट बैठक में आज सरकार स्टाम्प ड्यूटी के मामले में ग़रीबों को बड़ी राहत दी है। कैबिनेट की बैठक में आज ईडब्लूयूएस के एलआइजी के मकानों में रजिस्ट्री के लिए पहले प्रॉपर्टी के लिए तय लिए गए प्रतिशत के हिसाब से पैसे देने पड़ते थे लेकिन अब सरकार ने इसके लिए रेट फ़िक्स कर दिए है।

अब सिर्फ 500 रुपए में ही रजिस्ट्री हो सकेगी, जिसका सबसे ज्यादा फायदा उन गरीब परिवारों को मिलेगा, जिन्हें रजिस्ट्री के लिए अलग से ज्यादा पैसे देने पड़ते थे। अंसगठित क्षेत्र के करीब 4.5 करोड़ मजदूरों, श्रमिकों, कामगारों को लाभ के लिए मंजूरी, इन्हें आयुष्मान योजना का लाभ मिलेगा। यूपी में 23 बस स्टेशन पीपीपी मोड पर बन रहे हैं। 17 बस स्टेशन को लेकर ई-टेंडर में प्रक्रिया में बदलाव किया गया है।

बाघंबरी मठ के महंत बने बलबीर गिरि, चादर विधि की रस्म संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अरबों की संपदा वाले बाघंबरी गद्दी मठ के महंत नरेंद्र गिरि की संदिग्ध मौत के अनसुलझे रहस्यों के बीच मंगलवार को बलवीर गिरि को उनका उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया गया। युवा संन्यासी बलवीर निरंजनी अखाड़े के उप महंत के रूप में अब तक हरिद्वार स्थित विल्केश्वर महादेव मंदिर की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

मंगलवार को षोडशी पूजा के बाद दिन के 12 बजे से बाघंबरी गद्दी मठ में नए महंत के रूप में बलवीर गिरि की महंतई चादर विधि की रस्म अदा की गई त् चादर विधि में निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद ब्रह्मचारी के अलावा पंच परमेश्वर समेत कई महामंडलेश्वर और महंत

मौजूद रहे, तिलक लगाकर चादर ओढ़ाकर रस्म अदा की गई । इस समारोह के साक्षी देश भर से आए संत-महंत बने।

गुजरात दंगे में नरेंद्र मोदी को क्लिन चिट के खिलाफ अर्जी पर 26 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2002 में हुए गुजरात दंगे से जुड़े मामलों में पीएम नरेंद्र मोदी को क्लीन चिट देने के खिलाफ जाकिया जाफरी की ओर से दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 26 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। जाकिया जाफरी कांग्रेस के दिवंगत नेता एहसान जाफरी की पतनी हैं। गुजरात दंगों के समय नरेंद्र मोदी राज्य के मुख्यमंत्री थे। जस्टिस ए.एम खानविलकर की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यों की पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई को 26 अक्टूबर तक के लिए टाला जा रहा है। हालांकि, पीठ ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि सुनवाई को इसके बाद टाला नहीं जाएगा। बता दें कि इससे

पहले अप्रैल में भी जाकिया जाफरी ने सुनवाई को टालने की मांग की थी, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया था।कोर्ट में जाकिया जाफरी की तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल पैरवी कर रहे थे। कपिल सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि केस की सुनवाई के लिए ज्यादा समय नहीं मिल पाया क्योंकि यह अचानक अधिसूचित कर दिया गया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने सिब्बल की इस बात को खारिज किया और कहा कि मामले को काफी पहले नोटिफाई कर दिया गया था। सिब्बल ने कोर्ट से कहा कि मामले को इस साल अप्रैल में टाला गया था और फिर कोरोना की वजह से इसपर अब तक सुनवाई नहीं हो सकी थी। कपिल सिब्बल ने कोर्ट से दरख्वास्त की थी कि मामले की सुनवाई के लिए एक तारीख तय की जाए। बता दें कि पूर्व सांसद एहसान जाफरी भी उन 68 लोगों में थे जिनकी 28 फरवरी, 2002 को अहमदाबाद की गुलबर्ग सोसायटी में हत्या कर दी गई थी। यह वारदात गुजरात के गोधरा में साबरमती एक्सप्रेस में आग लगाने के एक दिन बाद हुई थी।

गोलियों की आवाज से गूंजी घाटी, कश्मीर में एक घंटे के अंदर तीन आतंकी हमले

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बीते एक घंटे के अंदर आतंकवादियों ने तीन अलग-अलग जगहों पर हमले किए जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। पहला हमला कश्मीर के जाने-माने फार्मेसी कारोबारी पर हुआ। इसके बाद श्रीनगर के मदीन साहिब में एक स्ट्रीट हॉकर पर आतंकियों ने गोलियां बरसा दीं और अब बांदीपुरा जिले में एक आम नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। पुलिस ने कहा कि आतंकियों ने जिस शख्स को निशाना बनाया है उसकी

पहचान नायदखाई निवासी मोहम्मद शफी लोन के रूप में हुई है। इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और आतंकियों को पकड़ने के लिए तलाशी जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। घटना वाले क्षेत्र में पुलिस की तैनाती भी कर दी गई है।

इस घटना से कुछ ही मिनट पहले आतंकियों ने श्रीनगर में एक कश्मीरी पंडित की गोली मार कर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 68 वर्षीय बिंदरू को हमलावरों ने उस समय गोली मार दी जब वह दुकान पर दवाई दे रहे थे। आतंकियों ने इस घटना को श्रीनगर के इकबाल पार्ट में अंजाम दिया। गोली मारने के बाद आतंकी मौके से फरार हो गए। वहीं, तीसरी घटना भी श्रीनगर में घटी, जहां एक स्ट्रीट हॉकर को आंतकियों ने गोलियों से भून दिया।

घाटी में फिर बहा कश्मीरी पंडित का खून, संदिग्ध आतंकियों ने फार्मेसी के मालिक को मारी गोली

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में बैखलाए आतंकी कश्मीरी पंडितों को निशाना बना रहे हैं। मंगलवार को श्रीनगर की ही एक प्रमुख फार्मेसी के मालिक माखनलाल बिंदरू की इकबाल पार्क में उनके व्यावसायिक परिसर के अंदर संदिग्ध आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 68 वर्षीय बिंदरू को हमलावरों ने उस समय गोली मार दी जब वह दुकान पर दवाई दे रहे थे।

फर्जी पासपोर्ट पर परमबीर सिंह ने छोड़ा देश? कई महीनों से नहीं मिली कोई खबर

नई दिल्ली (एजेंसी)। जांच एजेंसियों का मानना है कि मुंबई पुलिस के पूर्व कमिशन्र परमबीर सिंह ने या तो महाराष्ट्र पुलिस की तरफ से अपने खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी होने से पहले ही देश छोड़ दिया था या फिर वह फर्जी पासपोर्ट के सहारे देश से भागे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह के छुट्टी पर जाने के दो महीने बाद महाराष्ट्र पुलिस ने सिंह के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया था। अधिकारियों के मुताबिक, परमबीर सिंह ने 7 मई को अपने खराब स्वास्थ्य को कारण बताते हुए छुट्टी मांगी थी और चंडीगढ़ चले गए थे।

सपा का चुनावी शंखनादः अखिलेश यादव निकालेंगे 12 अक्टूबर से विजय यात्रा, कानपुर से होगी शुरुआत

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में छह माह के भीतर होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी अध्यक्ष एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जन संवाद के लिए 12 अक्टूबर से समाजवादी विजय यात्रा निकालने की घोषणा की है।

समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में अमानवीय सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए सपा प्रमुख 12 अक्टूबर से समाजवादी विजय यात्रा निकालने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य लोगों

को भाजपा सरकार की भ्रष्ट, निरंकुश और दमनकारी नीतियों से अवगत कराना और वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना करना है। चौधरी ने कहा कि अखिलेश की यात्राएं राज्य में बदलाव के लिए हैं।

उन्होंने कहा कि सपा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में यादव की पहली क्रांति यात्रा 31 जुलाई, 2002 को शुरू हुई और उसके बाद उन्होंने क्रांति रथ यात्रा समेत कई यात्रा निकाली। सपा प्रमुख की यात्रा राज?य के किन मार्गों से होकर गुजरेगी, पार्टी ने अभी इसे सार्वजनिक नहीं किया है।

अखिलेश यादव के पोस्टर पर मुलायम सिंह की फोटो नहीं, भाजपा ने सपा पर बोला हमला

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी 12 अक्टूबर से समाजवादी विजय यात्रा शुरू करने वाली है। इसके लिए कई पोस्टर तैयार किए गए है। इस कार्यक्रम के लिए समाजवादी पाटी के ट्वीटर हैंडल से जारी कई पोस्टर जारी किए गए हैं। इनमें अखिलेश यादव की बड़ी सी फोटो लगाई गई है, इस पर भीम राव अंबेडकर के अलावा कई अन्य समाजवादी नेताओं की फोटो है लेकिन मुलायम सिंह यादव की तस्वीर नहीं है। इस पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने ट्वीट कर अखिलेश पर हमला बोला है।

गांधीनगर निकाय चुनाव में भाजपा का जलवा, कांग्रेस को सिर्फ दो सीट, आप को महज एक पर जीत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गांधीनगर नगर निगम के चुनावों में भाजपा ने परचम लहराया है। निगम की कुल 44 सीटों में से 41 पर भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है, जबकि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी को महज तीन सीटों पर ही जीत मिली है। रविवार को गांधीनगर में मतदान हुआ था और मंगलवार सुबह वोटों की गिनती शुरू हुई थी। मतगणना की शुरुआत से ही भाजपा ने बढ़त बना रखी थी। ये नतीजे अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले कांग्रेस के लिए करारा झटका हैं, जो भाजपा को कड़ी चुनौती

देने के लगातार दावे कर रही है।

इसके अलावा आम आदमी पार्टी ने भी गुजरात में चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। ऐसे में गांधीनगर जैसे अहम नगर निगम में महज एक सीट जीत पाना बताता है कि उसके लिए विस्तार की राह कितनी मुश्किल है। तीन सीटों में से कांग्रेस को महज 2 सीटें ही मिली हैं। भाजपा और कांग्रेस ने सभी 44 वार्डों में अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, जबकि आम आदमी पार्टी ने 40 सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारे थे। हालांकि पिछली बार गांधीनगर नगर निगम में कांग्रेस ने कड़ी टक्कर दी थी। तब भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पाटि्यों को 16-16 सीटें मिली थीं। हालांकि कांग्रेस के पार्षद प्रवीण पटेल ने पाला बदल लिया था और भाजपा की मदद से मेयर बन गए थे। कांग्रेस के अलावा आम आदमी पार्टी की उम्मीदों को भी इस चुनाव परिणाम से झटका लगा है। बता दें कि सूरत नगर निकाय के चुनावों में आम आदमी पार्टी ने कुल 27 सीटें जीतकर चर्चा बटोरी थी। इस बार भी आम आदमी पार्टी पर सभी की नजरें थीं, लेकिन वह सूरत वाला नतीजा गांधीनगर में नहीं दोहरा पाई।

कर्मचारी संगठनों ने दिखाई ताकत, मोटरसाइकिल रैली निकाल मांगी पुरानी पेंशन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर शिक्षकों और कर्मचारियों ने मंगलवार को मोटरसाइकिल रैली निकालकर एकजुटता और ताकत दिखाई। वाहनों का लंबा काफिला जिधर से भी गुजरा, जाम लग गया। कलक्ट्रेट में धरना-प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने 28 अक्तूबर को कलक्ट्रेट परिसर में ही धरने की घोषणा की है। कर्मचारी शिक्षक अधिकारी पेंशनर्स अधिकार मंच की ओर से पुरानी पेंशन समेत 11 सूत्रीय मांग को लेकर सतत आंदोलन की घोषणा की गई है। इसी क्रम में पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार मोटरसाइकिल रैली में शामिल होने के लिए शिक्षक, कर्मचारी, पेंशनर्स गवर्नमेंट प्रेस पर एकत्रित हुए। दावा है कि इसमें 92 यूनियनों के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, पेंशनर्स शामिल हुए। रैली में कर्मचारियों की भागीदारी का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि गवर्नमेंट प्रेस से एजी ऑफिस

गेट तक पूरे मार्ग पर वाहनों का काफिला था। अलग-अलग यूनियन, विभाग एवं कार्यालय के नेताओं ने अपनी-अपनी टीम का नेतृत्व किया। रैली पत्थर गिरजाघर, सुभाष चौराहा, मेडिकल चौराहा, बालसन चौराहा, आनंद भवन, विश्वविद्यालय, कमिशन्री, लक्ष्मी टॉकीज, विकास भवन, जिला पंचायत होते हुए कलक्ट्रेट पहुंची। वहां धरना-प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

एमएलसी सुरेश त्रिपाठी ने रैली को हरी झंडी दिखाई। अध्यक्ष देवेंद्र श्रीवास्तव, संयोजक अजय भारती, मनोज शर्मा, अनुज कुमार पांडेय, बीके पांडेय, विनोद दुबे ,विनोद कुमार पांडेय, राजेश्वर शुक्ला, राग विराग त्रिपाठी, राजेंद्र त्रिपाठी, लेखपाल संघ राजकुमार सागर आदि ने रैली की अगुवाई की। कर्मचारी नेताओं ने पुरानी पेंशन के लिए लंबे आंदोलन की बात कही। उनका कहना था कि एनपीएस लागू होने के बाद से ही वे उसका विरोध कर रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

कर्मचारियों ने मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की घोषणा की। साथ ही इसी तरह की एकता दिखाने की अपील की। कलक्ट्रेट में आयोजित सभा में कर्मचारी नेताओं का कहना था कि मांग पूरी नहीं हुई तो 28 अक्तूबर को कलक्ट्रेट परिसर में धरन दिया जाएगा। रैली में अवनीश पांडेय, शिवशंकर सिंह, सतीश कुमार सिंह, अमरनाथ, अल्प नारायण सिंह, शिवबहादुर सिंह समेत बड़ी संख्या में शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी, पेंशनर्स शामिल रहे।

खबर संक्षेप

कोरांव के स्टाम्प विक्रेता गण द्वारा एक दिवसीय हड़ताल व कार्य बहिष्कार

कोरांव। स्टाम्प विक्रेताओं के कमीशन में कटौती व सरकार द्वारा नियुक्त सी आर ए द्वारा स्टाम्प वेंडरों के शोषण के विरोध में कोरांव तहसील में कार्य बहिष्कार रहा उपरोक्त विषय मे स्टाम्प वेन्डर गणेश प्रसाद मिश्र ने बताया कि पहले सरकार द्वारा 1लाख के स्टाम्प बेचने पर 500 रु कमीशन मिलता था किंतु नई व्यवस्था में 1 लाख पर मात्र 90 रु मिलता है इससे स्टाम्प विक्रेताओं के आजीविका का भी संकट आ रहा है, छोटे मूल्य के स्टाम्प पर कागज व स्याही का खर्च भी नही निकल रहा बल्कि नुकसान हो रहा है, स्टाम्प वेंडरों को लाख पर 90 रु कमीशन मिलता है जबकि बैंको में कैश हैंडलिंग चार्ज ही 1 लाख पर 90 से 118 रु कट जाता है, एकदिवसीय कार्य बहिष्कार के माध्यम से स्टाम्प वेंडर्स द्वारा सरकार को चेतावनी दी गयी कि ऑल यूपी स्टाम्प वेंडर्स एसोसिएशन की मांगे मानी जाए जिससे स्टाम्प वेंडर्स की भी आजीविका चलती रहे।

कोटेदार द्वारा बेचा गया खाद्यान्न ग्रामीणों ने रात में पकड़ा

अखंड भारत संदेश

पिकप वाहन खाद्यान्न पुलिस हिरासत में, ए आर ओ एवम आपूर्ति अधिकारी कोरांव की टीम गांव पहुंची

ग्रामीणों का कोटेदार के खिलाफ गहरा आक्रोश, दिए घटतौली, मनमानी, काला बाजारी, फिंगर प्रिंट लगवा कर खाद्यान्न न देने के बयान

तहसील अधिकारी कोटेदार को बचाने में जुटे, जिलाधिकारी से की गई शिकायत

ग्रामवासियों का बयान लेते तथा जांच करते अधिकारी गण

पसना,कोराव। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को चुस्त दुरुस्त बनाए रखने के लिए परदेस के मुख्य मंत्री भले ही सख्त हों किन्तु जनता की शिकायतों पे सक्षम अधिकारी एन केन प्रकारेण भ्रष्टाचारियों की ही मदद करने लगते हैं जिससे सरकार की मंशा पर पानी फिरने लगता है। ऐसा ही एक मामला कोरांव तहसील के ग्राम पंचायत अल्हवा में देखने को मिला है। जहां ग्राम कोटेदार लाल बहादुर पाल द्वारा 4 सितंबर की रात 7:30 बजे एक वाहन से पात्र गृहस्थी का खाद्यान्न कालाबाजारी कर रहा था ,जिसको ग्रामीणों ने मौके पर वाहन और खाद्यान्न पकड़ लिया और थाना पुलिस कोराव को प्रधान की मौजूदगी में सुपुर्द कर दिया गया। जिसकी सूचना ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों ने जिलाधिकारी प्रयागराज से लेकर अपर जिला अधिकारी नागरिक आपूर्ति प्रयागराज एवं जिला पूर्ति अधिकारी प्रयागराज उप जिलाधिकारी कोरांव आपूर्ति निरीक्षक एवम कोतवाल थाना पुलिस कोरांव

आदि से की । जिस पर आपूर्ति विभाग का एक दल 5 सितंबर को सुबह 10:00 बजे थाना पुलिस कोराव पहुंचा और वाहन चालक का बयान लिया और खाद्यान्न को तौल करा कर थाने पर सुपुर्द किया।

इसी प्रकार आपूर्ति विभाग के अधिकारी और ए आर ओ की टीम ने कोटेदार अल्हवा का गोदाम का जायजा लिया ,और उपस्थित ग्रामीणों के और कार्ड धारकों के बयान लिए । और ग्राम प्रधान अल्हवा का भी बयान लिया । बयान लेकर अधिकारी वापस आए, उसके बाद चर्चा है कि कोटेदार लंबी रकम लेकर के तहसील और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को पटाने के लिए प्रयासरत है। चर्चा है कि उक्त कोटेदार लाल बहादुर वर्ष 2012 में भी एक पिक अप वाहन चीनी और खाद्यान्न तथा मिट्टी के तेल सहित कालाबाजारी करते हुए रात में पकड़ा गया था और जेल गया था ।तत्पश्चात उसकी दुकान निरस्तीकरण की कार्यवाही की जा रही थी, और कमिश्नरी से स्टे ले लिया था ।उसके बावजूद भी सुधार अब तक नहीं लाया और कालाबाजारी करने में माहिर हैं। ग्रामीणों ने अधिकारियों से मांग की है कि ऐसे भ्रष्ट कोटेदार को बर्खास्त किया जाए और किसी ईमानदार कोटेदार का चयन किया जाए। ग्रामीणों तथा प्रधान के अनुसार वाहन और ड्राइवर का दोष नहीं है क्योंकि वह किराए पर गया था। ब्यापारी और कोटेदार दोषी हैं।

क्या बोले ग्राम प्रधान

भ्रष्ट कोटेदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उसके विरुद्ध धारा 3 बटा 7 आवश्यक खाद्य वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की जाए और उसके पश्चात नए कोटेदार का चयन किया जाए ।क्योंकि ग्राम सभा की खुली बैठक में दिनांक 21 जून 2021 को नए कोटेदार के चयन का प्रस्ताव पारित हो चुका है। साथ ही साथ श्रीमान जिलाधिकारी प्रयागराज एवं अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति प्रयागराज को भी एक शिकायती प्रार्थना पत्र कोटेदार के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई के लिए प्रेषित किया है जिसकी भी जांच आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने 5 सितंबर को किया ।और बयान ग्रामीणों का और मेरा लिया। तहसील अधिकारी कोटेदार को बचाने में लगे हुए हैं क्योंकि वह रिश्वत देने में माहिर है। उप जिलाधिकारी से मेरे द्वारा जब शिकायत की गई तो उन्होंने उत्तर दिया कि आप कोटेदार के पीछे क्यों पड़े हैं।

अहद अहमद सिद्दीकी
ग्राम प्रधान अल्हवा कोराव

कोटेदार के विरुद्ध सिकायते मिली हैं, जांचोपरांत बख्शा नहीं जाएगा।

जितेंद्र प्रसाद
अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति प्रयागराज,

न्यूज झरोखा

शांति व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए मेजा एसडीएम रेनू सिंह ने क्षेत्र में किया भ्रमण

मेजा रोड। लखीमपुर खीरी में हुए बवाल को लेकर उपजिलाधिकारी मेजा रेनू सिंह व क्षेत्राधिकारी डॉ भीम कुमार गौतम शांति सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर क्षेत्र में भ्रमण सील रहे। बता दे कि लखीमपुर खीरी में किसान प्रदर्शन के दौरान मंत्री के बेटे की गाड़ी से 4 किसानों की मौत हो गई तथा कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस दौरान भीड़ ने हिंसक रूप अख्तियार करते हुए मंत्री के बेटे की गाड़ियों में आग लगा दी जिसमें 4 लोगों की और मौत हो गई । कुल 8 मौतों से समूचा जिला हाई अलर्ट पर हो गया, क्षेत्र में शांति सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने को लेकर के एसडीएम मेजा रेनू सिंह, क्षेत्राधिकारी डॉक्टर भीम कुमार गौतम, कोतवाल मेजा अरुण कुमार चतुवेर्दी राष्ट्रीय राजमार्ग 76 के पटेल नगर चौराहे पर पहुंच स्थिति का जायजा लिया। एसडीएम मेजा रेनू सिंह ने कहा कि क्षेत्र में किसी प्रकार का हिंसक प्रदर्शन ना हो शांति व्यवस्था बनी रहे इसी क्रम में सुरक्षा बढ़ाई गई है जिससे कि शांति व्यवस्था बनी रहे। जायजा लेने के बाद उनका काफिला सिरसा की ओर निकल गया। इस दौरान मेजारोड चौकी प्रभारी पंकज त्रिपाठी, उप निरीक्षक अतुल कुमार मिश्रा, चौकी प्रभारी सिरसा हरीश चंद्र शर्मा, हेड कांस्टेबल रामधनी यादव, हेड कांस्टेबल अमर नाथ, कांस्टेबल सुरेश यादव, कांस्टेबल सुधीर यादव के साथ भारी संख्या में पुलिस के जवान मौजूद रहे।

सीओ एवं एसडीएम ने की शांति समिति की बैठक

मेजा रोड। आगामी त्योहार दुर्गापूजा को लेकर आज सोमवार को माण्डा चौकी भारतगंज पर क्षेत्राधिकारी अधिकारी मेजा डा0भीम कुमार गौतम एवं उपजिलाधिकारी मेजा रेनु सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में शान्ति समिति की बैठक आयोजित किया गया इस दौरान दोनों अधिकारियो ने बैठक में कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करते हुए परम्परागत तरीके से त्योहार मनाने हेतु लोगो से अपील की और सम्बन्धित शासन के निदेशो कोअवगत कराये।आज सोमवार को आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए सीओ मेजा ने कहां कि आप लोग कोई नई परंपरा को लागु ना करे जिससे कानून व्यवस्था बिगड़े पुलिस और समाज में एक दूसरे का सहयोग होना जरूरी है बैठक में एसडीएम ने कहा कि अभी भी महामारी की खतरा टला नहीं है सभी गाइडलाइन तथा निदेशों का सअक्षर पालन करे।वहीं प्रभारी निरीक्षक माण्डा अवन कुमार दीक्षित ने कहा कि इस नगर क्षेत्र के लोग जिस तरह पूर्व में त्योहार को भाईचारे के साथ मनाते हुए आये है उसी तरह से शान्तिपूर्वक से मनाए आप को किसी प्रकार की समस्या होती है तत्काल अवगत कराये मेरे सिपाही मौके पर पहुंचकर सहयोग करेंगे।इसी दौरान चौकी प्रभारी भारतगंज आशीष कुमार राय ने बैठक में आये हुए सभी पत्रकारो एवं संभ्रांत व्यक्ति एवं प्रधान नगर अध्यक्ष सभी का आभार व्यक्ति किया

नियमों के तहत मनाएं त्योहार नदी में न करें मूर्ती विसर्जन

घूरपुर। दुर्गा पूजा और रामलीला को लेकर मंगलवार के दिन घूरपुर थाने में पीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया । बैठक की अध्यक्षता करते हुए सीओ करछना राजेश कुमार यादव ने उपस्थित दुर्गा पूजा कमेटी व रामलीला समिति के पदाधिकारियों से कहा कि दोनों कार्यक्रम बड़ी शालीनता और कोविड नियमों के तहत ही होंगे । दुर्गा पूजा पांडालों के व्यवस्थापकों से कहा कि पंडाल खुले में होगा और पूजा करने के लिए महिलाओं के लिए अलग से रास्ते होंगे । सुरक्षा की दृष्टि से पांडालों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का भी निर्देश सीओ ने दिया। रामलीला पर चर्चा करते हुए बताया कि रामलीला मंचन होगा लेकिन भीड़ को नियंत्रित रखने की जिम्मेदारी रामलीला आयोजकों की होगी । मूर्ति विसर्जन पर उन्होंने मौजूद लोगों से बात की और कहा कि किसी भी दशा में यमुना नदी में मूर्तियों का विसर्जन नहीं किया जाएगा। अपने अपने पास के तालाब ,नालों व नहरों में मूर्तियों का विसर्जन किया जाना सुनिष्चित है । इस बीच एसओ घूरपुर राकेश कुमार राय ने मौजूद लोगों से गांव की शांति व्यवस्था पर बात की और शांति व्यवस्था बनाये रखने में पुलिस प्रशासन की सहयोग करने की अपेक्षा की । कार्यक्रम में प्रधान बोंगी विश्वम्भर नाथ पटेल,प्रधान कंजासा दिनेश निषाद,प्रधान गौहनिया राजेश साहू,प्रधान पालपुर नियाज अहमद,पूर्व प्रधान जसरा लप्पू केसरवानी ,प्रधान बिरवल आदि कई दर्जन संभ्रांत व दुर्गा पूजा एवं रामलीला समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे ।

नमो कुन्ज कार्यक्रम में छात्राओं को किया गया पुरस्कृत

करछना। मंगलवार को करछना विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के द्वारा नमो कुंज कार्यक्रम का आयोजन आर्यन पब्लिक स्कूल नौवा कौवा करछना प्रयागराज में आयोजित किया गया जिसमें लगभग 100 छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार वितरित किया गया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे संकर्षण गुरु जी महाराज और कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युवा मोर्चा के यशस्वी जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडे जी काशी क्षेत्र प्रवास हर्ष केसरी जी महामंत्री अशोक पांडे जिला सदस्य भाजपा काार्तिके कुशवाहा, कार्यक्रम संयोजक राजकुमार मिश्रा जी जिला मंत्री महेंद्र प्रताप सिंह पटेल जिला कार्यकारिणी सदस्य नरेश कुमार सोनकर जिला कार्यकारिणी सदस्य अंकित पांडे राजा एवं साथ में जिला पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष एवं पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शारदीय नवरात्र : इस नवरात्र पर डोली में आ रहीं हैं माता रानी

आलोक पाठक

किस दिन किस देवी की पूजा, कलश स्थापना का मुहूर्त, कब है दशहरा

नवरात्रि का पहला दिनः 07 अक्टूबर, गुरुवार, मां शैलपुत्री की पूजा
दूसरा दिनः 08 अक्टूबर, शुक्रवार, मां ब्रह्मचारिणी की पूजा
तीसरा दिनः 09 अक्टूबर, शनिवार, मां चंद्रघंटा पूजा व मां कुष्मांडा पूजा
चौथा दिनः 10 अक्टूबर, रविवार, मां स्कंदमाता की पूजा
पांचवा दिनः 11 अक्टूबर, सोमवार, मां कात्यायनी की पूजा
छठा दिनः 12 अक्टूबर, मंगलवार, मां कालरात्रि की पूजा
सातवां दिनः 13 अक्टूबर, बुधवार, दुर्गा अष्टमी, कन्या पूजन, मां महागौरी पूजा
आठवां दिनः 14 अक्टूबर, गुरुवार, महानवमी एवं हवन, कन्या पूजन
दसवां दिनः 15 अक्टूबर, शुक्रवार, नवरात्रि व्रत का पारण, दशहरा
इस साल दशहरा का पर्व 15 अक्टूबर, शुक्रवार को मनाया जाएगा. नवरात्रि व्रत का पारण भी इसी दिन ही होगा।

जसरा। शारदीय नवरात्र जिसका इंतजार पूरे साल माता के भक्तों को रहता है वह आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि है। जिस दिन मातारानी अपने दिव्य लोक से पृथ्वी पर आती हैं वह इस वर्ष 7 अक्टूबर को है। 7 अक्टूबर 2021 को आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि को माता पृथ्वी पर आएंगी और नवरात्र का आरंभ हो जाएगा। इस वर्ष नवरात्रि का आरंभ गुरुवार से होने जा रहा है और नवरात्रि का समापन शुक्रवार 15 अक्टूबर को होने जा रहा है। ऐसे में इस साल नवरात्रि में 8 दिन की पूजा और नवें दिन विसर्जन का योग बना है। क्योंकि चतुर्थी तिथि का क्षय हो गया है।

नवरात्रि में माता के वाहन का भी बड़ा महत्व रहा है। ज्योतिषी इससे आने वाले साल का फलकथन करते हैं और अनुमान लगाते हैं कि अगला एक साल आपका कैसा रहेगा। इस विषय देवीभागवत पुराण में एक श्लोक में बताया गया है कि झ शशि सूर्ये गजारूढ़ा शनिभौमे तुरंगमे। गुरौ शुक्रे च डोलायां बुधे नौका प्रकीर्त्तिता। गजे च जलदा देवी छत्र भंगस्तुरंगमे। नौकायां सर्वसिद्धि स्यात डोलायां मरण ध्रुवम। इस श्लोक से स्पष्ट है कि गुरुवार को नवरात्रि आरंभ होने के कारण इस बार माता डोली में आ रही हैं। डोली में माता का आगमन देश दुनिया और आमजनों के लिए शुभ नहीं माना जाता है। माता के डोली में आगमन से पृथ्वी के कई हिस्सों में बड़ी राजनीतिक हलचल होगी। भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं में जन धन की हानि होने की आशंका रहेगी। राजनीतिक मामलों में बात करें तो माता के डोली में आगमन से सत्ता में बड़ा उथल-पुथल देखने को मिल सकता है। कई दिग्गज नेताओं की सत्ता जा सकती है। माता के डोली में आगमन से ऐसा भी माना जाता है कि किसी रोग और महामारी का प्रकोप बढ़ सकता है। माता का वाहन इस बार शुभ फल की ओर संकेत नहीं दे रहा है। ऐसे में रोग, परेशानियों से मुक्ति के लिए नवरात्रि में श्रद्धा भाव से माता की उपासना करें और नियमित कवच, कीलक और अर्गला स्तोत्र का पाठ करके यथा संभव रोगान शेषानपहंसि तुष्टा रुष्टा तु कामान सकलानभीष्टान । त्वामाश्रितानां न विपन्नराणां त्वामाश्रिता ह्याश्रयतां प्रयान्ति।। इस मंत्र का जप किया करें।

घटस्थापना शुभ मुहूर्त

घटस्थापना का शुभ मुहूर्त 07 अक्टूबर को सुबह 06:17 बजे से 07:07 बजे के मध्य का होगा।

भूमि व मुकुट पूजन का हुआ आयोजन

अखंड भारत संदेश

नैनी। श्रमिक बस्ती स्थित रामलीला पार्क में मंगलवार को भूमि एवं मुकुट पूजन का आयोजन किया गया। सार्वजनिक रामलीला समिति के अध्यक्ष राकेश जायसवाल एवं महामंत्री नयन कुशवाहा ने यजमान की भूमिका निभाई। साथ ही राकेश जायसवाल अपनी धर्मपत्नी आकांक्षा जायसवाल के साथ भगवान राम, माता जानकी, भैया लक्ष्मण एवं अतुलित बल के धाम अंजनी पुत्र श्री हनुमान जी के मुकुट का वेद - पाठी ब्राह्मणों के द्वारा उच्चारित सुमधुर वेद ध्वनि के मध्य पूजन किया। इस दौरान हरे कृष्ण तिवारी, गुरु प्रकाश राव, प्रमोद सिंह, योगेश सिंह, पं वीरेंद्र शर्मा, सुरेश पटेल, गुड्डू पांडेय, धीरेंद्र यादव, बृजेश सिंह, दिलीप केसरवानी, बबिता मिश्रा, कुन्दन पटेल समेत कई लोग मौजूद रहे।

आज से होगा प्रारंभ

नैनी। सार्वजनिक रामलीला समिति के मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने बताया कि बुधवार रात्रि 8:00 से 11:00 बजे तक ध्वनि एवं प्रकाश के माध्यम से रामलीला का मंचन का आयोजन किया जाएगा और रामलीला की पूर्णाहुति आगामी दिनांक 15 अक्टूबर दिन शुक्रवार को होगी।

सुबह टहलने गयी वृद्ध महिला की नाले में गिरकर मौत

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के सांवरा गांव सड़क के किनारे बने नाले में मॉर्निंग वॉक करने गई एक विक्षित वृद्ध महिला कि नाले में गिरकर मौत हो गई। आने जाने वाले राहगीरों ने देखा तो शोरगुल मचाया गांव के लोग इकट्ठा हुए तो उतराव पुलिस को सूचना दिए। मौके पर पुलिस पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सिठौली थाना उतरांव निवासी संत लाल यादव जो किसानी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। मंगलवार को सुबह उसकी पत्नी बसंती देवी 60 वर्ष जो सुबह टहलने के लिए घर से निकली वही सांवरा गांव सड़क के किनारे बने नाले मे गिर गई। नाले में गिरने से वृद्ध महिला की मौके पर मौत हो गई। रास्ते से जा रहे लोगो ने देखा तो शोरगुल मचाया सूचना पर घर के परिजन पहुंचे तो पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतिका महिला के नाक से खून निकलता देख शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया की मृतिका महिला बसंती देवी कि दिमाग की हालत ठीक नहीं थी । जिसका बहुत पहले से निजी अस्पताल से इलाज चल रहा था। मृतक महिला के एक बेटा है वही मृतिका बसंती देवी की मौत बेटी बहू व परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के सराय वंशी स्थित नेहरू ग्राम औद्योगिक इंटरमीडिएट कॉलेज में ब्लॉक स्तरीय युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि भाजपा नेता सांवरेलाल ने फीता काटकर खेल प्रारंभ किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में एमएलसी सुरेंद्र चौधरी रहे। मुख्य अतिथि कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में छिपी प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करना ही इस खेल का मुख्य उद्देश्य है। प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के लिए यह प्रतियोगिता हर वर्ष कराया जाता है। वही खेल प्रतियोगिता में 3000 मीटर की दौड़ में शिव शंकर प्रथम स्थान रहे। सौ दो सौ व चार सौ मीटर की दौड़ में दीपक गुप्ता ने बाजी मारी।15 सौ मीटर की दौड़ में मुन्ना भारती प्रथम स्थान पर रहे। 800 मीटर में सुरेंद्र पाल ने बाजी मारी। लंबी कूद में संजय कुमार व गोला फेक खेल में मोहम्मद साद ने बाजी मारी। प्रतियोगिता में कबड्डी खेल में 10 टीमों ने भाग लिया। जिसमें बड़ी मशक्कत के बाद फाइनल में इनायतपट्टी और मकसुदना के बीच खेला गया। फाइनल मैच इनायत पट्टी ने जीत दर्ज की। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में लगभग 6 टीमों ने भाग लिया। जिसमें फाइनल मैच प्रतियोगिता भवानीपुर व सैदाबाद के बीच में हुआ बड़ी मशक्कत के बाद भवानीपुर ने जीत दर्ज की। वहीं सफल खिलाड़ियों को जिला युवा कल्याण अधिकारी दिनेश कुमार ने शील्ड मेडल व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीडीओ विकास शुक्ला रहे। संचालक महेंद्र पति मिश्रा ने किया। उक्त अवसर पर क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी शैलेश उपाध्याय,महेंद्र मिश्रा, प्रबंधक राम प्यारेपाल, धर्मेंद्र पटेल, श्याम गुप्ता प्रधान, राकेश पाल, अर्पित पाल, धीरज, प्रिंस, नागेश, अंकित, जज साहब यादव व आलोक यादव आदि लोग उपस्थित रहे।

घूरपुर में कांग्रेस नेताओं ने सरकार का फूंका पुतला की नारेबाजी

अखंड भारत संदेश

पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं किए जाने से सरकार की पुतला दहन करने का घूरपुर बन गया मुनीफ क्षेत्र

घूरपुर में सरकार का पुतला दहन करते कांग्रेसी

घूरपुर। घूरपुर थाना क्षेत्र सरकार का पुतला फूंकने का मुनीफ क्षेत्र बन गया है। यहां पर सरकार का पुतला फूंकने से न कोई रोकने वाला है। और न ही खिलाफ मे कोई कार्रवाई करने वाला ही है। सोमवर के दिन की बात की जाए तो पूरे जनपद में सिर्फ. घूरपुर थाना क्षेत्र में ही दो स्थानों पर खुलेआम प्रदेश सरकार का पुतला फूंके जानें का मामला सामने आया है। अन्य थाना क्षेत्रों में प्रदेश सरकार का पुतला फूंकने के पहले ही लोगों को पुलिस दबोच जेल भेज दिया है। और पुलिस के डर से लोग सरकार का पुतला फूकने की हिम्मत ना जुटा पा रहे हो वहीं घूरपुर मे लखीमपुर में आन्दोलन कर रहे किसानो की मौत के विरोध में सोमवार के दिन घूरपुर स्थानीय पुलिस से बेखौफ हो सभा कर एआईकेएमएस के सदस्यों ने जहां तीन घंटे सभा कर रैली निकाल पुलिस के सामने प्रदेश सरकार का पुतला फूंका। जिस पर पुलिस को खामोश देख क्षेत्र के बादलगंज मे सोमवार की शाम ही कांग्रेस के नेता सुनील पटेल ने अपने दर्जनों समर्थको के साथ प्रदेश सरकार का पुतला फूंक खिलाफ में नारेबाजी कर सोशल मीडिया पर विडियो क्लिपिंग और तस्वीरें भेज पुलिस को चुनौती दे डाली। लेकिन पुलिस खामोश रही। यहीं नहीं कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया पर यह भी संदेश वायरल किया कि बुधवार के दिन इरादतगंज बाजार में कांग्रेस जिला अध्यक्ष की उपस्थिति में केन्द्र व प्रदेश सरकार का पुतला दहन कर किसानो की मौत का विरोध किया जाए गा। इसके अलावा कई अन्य राजनितिक पार्टियां भी इस क्षेत्र में सरकार का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किए जाने की तैयारी में है।

भाजपा किसान विरोधी हत्यारी सरकार : नरेश उत्तम

अखंड भारत संदेश

सपा प्रदेश अध्यक्ष का किसान नवजवान पटेल यात्रा का जमुनापार राघन दौरा

सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए।

करछना। मंगलवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश अध्यक्ष एमएलसी नरेश उत्तम सिंह पटेल ने कहा कि भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार को लोकतंत्र में भरोसा नहीं है शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक तरीके के विरोध को भी अपनी तानाशाही के दम पर कुचलना चाहतीं हैं उक्त बातें सपा प्रदेश अध्यक्ष ने करछना विधायक उज्जवल रमण सिंह व चाका ब्लाक प्रमुख अनिल सिंह पटेल के संयोजन मे किसान नवजवान पटेल यात्रा के बादलगंज में स्वागत सभा पर उपस्थित हजारों की संख्या में किसानों को संम्बोधित करते हुए कहीं उन्होंने कहा कि भाजपा किसान नवजवान विरोधी हैं अब तो ओ गलत नीतियों का विरोध करने पर किसानों पर गाड़ी चढ़ा कर हत्या करने से भी नहीं चूक रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरप्रदेश आज आरजकता के भंवर में फंस गया हैं चारों तरफ लूट घसोट भ्रष्टाचार चरम पर है इसलिए किसान नवजवान की जिम्मेदारी है कि इस जनविरोधी सरकार को उखाड़ कर फेंकने के लिए अभी से कमर कस ले नहीं तो ये झूठों की सरकार अभी तो किसानों के खाद की बोरी से पांच किलो खाद चुराई हैं नीजिकरण के नाम पर दलितों पिछड़ों का आरक्षण चुरा रही हैं और आगे नई कृषि नीति के अंतर्गत आपके खेत खलिहान भी चुरा कर आपको खेतिहर मजदूर बना देगीं। प्रदेश अध्यक्ष ने आवाह्न किया कि किसान नवजवान होशियार हो जाओं और एकजुट होकर आगामी विधानसभा चुनाव में अखिलेश यादव की सरकार बनाओं जिससें बिजली, दवा पढ़ाई, सिंचाई मुफ्त होगी।सभा का संचालन जिला उपाध्यक्ष विनय कुशवाहा व विधानसभा अध्यक्ष सनिल अहमद अध्यक्षता विधायक उज्जवल रमण सिंह प्रतिनिधि राजेश्वर पाण्डेय ने किया। सभा को सम्बोधित करने वालों में सपा जिलाध्यक्ष योगेश यादव, राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार, पूर्व सांसद धर्मराज पटेल, पूर्व सांसद नागेंद्र पटेल, नगर अध्यक्ष इफ्तिखार हुसैन,संदीप पटेल,करछना प्रमुख कमलेश द्विवेदी,दिनेश पटेल, विजय बहादुर पटेल, पप्पू इसराइल, शिवयादव, शिलवंत यादव,दीपू दुवे, सुधीर भारतीय, अशोक भारतीय ,राजेश यादव, महेंद्र निषाद, सैफ फरीदी, रामचंद्र निषाद, नंदा निषाद,लत्ते प्रधान, लक्ष्मी शंकर तिवारी कासिम भाई, राजेन्द्र सिंह पटेल , कबूतर पटेल आदि लोगों ने किया।

कार्यक्रम में शामिल होने जाते सपा कार्यकर्ता।

सपा प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव का हुआ भव्य स्वागत

नवाबगंज। नवाबगंज क्षेत्र के पटेल नगर चौराहे पर सोमवार को किसान नौजवान पटेल यात्रा का आयोजन किया गया जिसमें समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री नरेश उत्तम पटेल एवं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अखिलेश कटियार जी का भव्य स्वागत किया गया। दूधनाथ पटेल जी के आह्वान पर किसान नौजवान पटेल यात्रा कार्यक्रम में नरेंद्र यादव बबलू पूर्व जिला सचिव समाजवादी युवजन सभा सैकड़ों नौजवानों के साथ कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। जिसमें राजेश पाल, गप्पू कश्यप, सचिन पटेल, मुलायम यादव, रतन यादव महामंत्री शोभनाथ यादव, वीरु पटेल, मनीष पटेल, सनी पटेल, विनोद यादव, अरुण पटेल, अमित कश्यप, मुस्सन आदि लोग शामिल रहे।

घूरपुर में जनसभा को संबोधित करते सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल

प्रदेश में पूरी तरह अराजकता का माहौल : नरेश उत्तम

घूरपुर। प्रदेश में पूरी तरह अराजकता का माहौल है , हत्या छिनैती ,बलात्कार की घटनाएं आम हो चुकी हैं।उक्त बातें किसान नौजवान पटेल संदेश यात्रा द्वारा आयोजित एक सभा में सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने घूरपुर के सरंगापुर में कही । उन्होंने कहा कि किसान अपनी मांगों को लेकर विगत दस माह से धरना प्रर्दशन कर रहा है । भाजपा के मंत्री और उसके नेता किसानों के अरमानों पर पानी फेर रहे है। लखीमपुर खीरी की घटना पर कहा कि किसान अपनी मांग को लेकर मंत्री से मिलना चाहते थे लेकिन नेता और मंत्री किसानों को अपनी गाड़ी से रौंदते निकल गए। उन्होंने कहा कि किसान और नौजवान अब जग गया है ,आने वाले विधानसभा के चुनाव में वह वोट की चोट देकर इस सरकार को उखाड़ फेंकेंगे। सभा को प्रमुख चाका अनिल सिंह पटेल ,लक्ष्मी शंकर तिवारी,शीतला प्रसाद पांडेय, मौजिज अब्बास,सिलवंत यादव, अमरचंद्र पटेल, बालगोविन्द यादव, शीलवन्त यादव , पवन यादव,शिवकुमार सिंह ,अजय सिंह पटेल, राजेन्द्र सिंह,जिलाध्यक्ष योगेश सिंह यादव आदि ने संबोधित किया ,कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमुख चाका अनिल सिंह ने की । इसी क्रम में इरादतगंज चौराहे पर व घूरपुर बाजार में भी प्रदेश अध्यक्ष का सपाइयों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

खबर संक्षेप

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार की मौत

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के एग्रीकल्चर पुलिस चौकी के समीप मंगलवार को सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। जिसे परिजनों में कोहराम मचा रहा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए। जानकारी के मुताबिक मेजा थाना क्षेत्र के भसुंदर, मझली गांव निवासी अनिल कुमार पुत्र अभय मंगलवार को किसी कार्य हेतु नैनी आए हुए थे। बताया जाता है कि वह बाइक पर सवार होकर अपने घर की ओर लौट रहे थे। जैसे ही एग्रीकल्चर पुलिस चौकी के समीप पहुंचे बाइक अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर जा गिरे। जिससे उसकी मौत हो गई।

कांग्रेसियों ने छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

सहसों। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला उपाध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में मंगलवार को एक प्रतिनिधिमंडल परगना मजिस्ट्रेट फूलपुर के माध्यम से एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल महोदय को प्रेषित किया। ज्ञापन में लखीमपुर खीरी में किसानों के ऊपर बर्बरता पूर्वक गाड़ी चढ़ाए जाने के लिए उत्तरदाई केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र टेनी एवं इनके पुत्र आशीष मिश्र मोनू के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने और तत्काल जेल भेजने की मांग की। 6 सूत्री य ज्ञापन में मारे गए किसान परिवारों को एक करोड़ रुपए की धनराशि देने, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सहित गिरफ्तार सभी नेताओं को तत्काल रिहा करने, अजय मिश्र को तत्काल बर्खास्त करने एवं मंत्री जी के पुत्र को तुरंत जेल भेजने एवं भाजपा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस शर्मनाक घटना के लिए जिम्मेदार मानते हुए उनके इस्तीफे की मांग की है। ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक जवाहर लाल दिवाकर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता एडवोकेट देवराज उपाध्याय, सलीम टाइगर, राम सिंह पाल, मोहम्मद युसूफ, शमशेर बहादुर पटेल, लाल मोहम्मद, कमलेश प्रजापति, रंजीत यादव, मोहम्मद जावेद, समर बहादुर सहित आदि लोग रहे।

नरेंद्र गिरि की षोडशी में आए संतों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन, भावुक हुए साधु संत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष नरेंद्र गिरि की आज 5 अक्टूबर को षोडशी धूमधाम हुई। इसमें भाग लेने के लिए देशभर से साधु-संतों के आने का सिलसिला रविवार से ही शुरू हो गया था, जोकि मंगलवार शाम तक जारी रहा। देश के कोने-कोने से आए साधु-संतों ने नरेंद्र गिरि को अपना श्रद्धासुमन अर्पित किए व उनकी आत्मा की शांति के लिए सामूहिक प्रार्थना की। प्रार्थना के बाद गूदड़ अखाड़े के 16 संतों को दान-दक्षिणा दिया गया और भोजन कराया गया। इसके बाद बलवीर गिरि की चादर विधि की गई। चादर विधि के बाद बलवीर गिरि को श्री बाघंबरी गद्दी का नया महंत बनाया गया। देशभर से आए साधु-संतों ने उन्हें चादर भेंट की। इसके बाद भंडारा शुरू हुआ। षोडसी में पूरे देश से आए साधु समाज व आम लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

नरेंद्र गिरि की षोडसी पांच अक्टूबर को निर्धारित थी। इसकी तैयारी पिछले सप्ताह से तेज कर दी गई थी। निरंजनी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी ने 20 सितंबर से ही प्रयागराज में डेरा डाल दिया था। इस पूरे आयोजन की कमान उन्होंने अपने हाथ में ले रखी है। नरेंद्र गिरि की लोकप्रियता को देखते हुए मठ को भव्य तरीके से सजाया गया है। मठ में टेंट और कारपेट बिछाया गया है। साधु-संन्यासियों के स्वागत के लिए विशेष रूप से तैयारी की गई थी।

प्रसाद ग्रहण के पश्चात संत महात्माओं को दिया गया दान दक्षिणा

समाधि स्थल पर श्रद्धा सुमन अर्पित करते साधु संत

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल साधु-संत

कार्यक्रम में निरंजनी अखाड़े ने एक करोड़ रुपये का रखा था बजट

नरेंद्र गिरि की षोडसी के लिए श्री निरंजनी अखाड़े ने एक करोड़ रुपये बजट निर्धारित किया है। इसमें साधु परंपरा के अनुसार देशभर के 3 अखाड़ों को छोड़कर सभी अखाड़ों से संबंधित साधु-संत और आम लोगों ने भाग लिया। षोडशी में गूदड अखाड़े के संतों को विशेष निमंत्रण दिया गया था। इस अखाड़े के साधु-संतों को नरेंद्र गिरि के पसंद की चीजें दान में दी गईं। सबसे पहले इसी अखाड़े के संतों को भोजन कराया गया। उसके बाद अन्य साधु व आम लोगों ने भोजन शुरू किया। षोडसी का यह भोज जारी है।

16 संतों को मिला विशेष दान, खुद का किए थे पिंडदान

श्री निरंजनी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी ने बताया कि गृहस्थ की मृत्यु के बाद उसका कर्म 13वें दिन होता है। संत-महात्मा की मृत्यु के बाद उसका कर्म 16वें दिन होता है। यह परंपरा सनातन काल से ही चली आ रही है। परंपरा के अनुसार एक गृहस्थ की 13वीं पर 13 ब्राह्मणों को भोजन कराया जाता है, दान-दक्षिणा दी जाती है, उनका आदर-सत्कार किया जाता है। ठीक उसी प्रकार संत-महात्मा के कर्म में भी 16 ऐसे संन्यासियों को दान-दक्षिणा दी जाती है, जिन्होंने अपना पिंडदान दे दिया हो। इन महात्माओं को नरेंद्र गिरि जी महाराज को जो चीजें पसंद थीं, उसके मुताबिक कपड़े, भोजन, आभूषण, चांदी का ग्लास, बर्तन व अन्य 16 भौतिक चीजें दान में दी गईं। उनका आदर-सत्कार किया गया।

सभी संतों को आने-जाने का मठ के तरफ से दिया गया किराया

देश के कोने-कोने से आने वाले साधु-महात्माओं को उचित दान-दक्षिणा के अलावा उनके आने और जाने का खर्च भी दिया गया। सभी षोडसी का दान लेने वाले 16 महात्माओं को लाल रंग का एक-एक शूटकेस सोने की अंगूठी, छड़ी, वस्त्र आदि 16 वस्तुएं दान में दी गईं।

षोडसी में खीर रही विशेष भोज्य

श्री निरंजनी अखाड़े के सचिव रवींद्र पुरी ने बताया कि महंत नरेंद्र गिरि को खीर बहुत पसंद थी। हर आने वाले मेहमान को वो खीर जरूर खिलाते थे। जैसी खीर उन्हें पसंद थी, ठीक वैसी ही खीर मुख्य भोज में परोसी गई। इसके अलावा मटर पनीर, मिक्स दाल, चावल, कचौड़ी, पूड़ी, मिक्सवेज, चटनी, अचार और पापड़ परोसा गया।10 हजार लोगों का भोजन तैयार करने के लिए लगभग 100 हलवाइयों की टीम लगाई गई थी। इन्होंने सोमवार से ही मोर्चा संभाल लिया था। खास बात यह है कि जो हलवाई नरेंद्र गिरि के भंडारों में भोजन बनाता रहा है उसी के नेतृत्व में सारा भोजन तैयार कराया गया।

मानदेय में बढ़ोतरी होने पर रोजगार सेवकों के साथ ही अन्य मनरेगा कर्मियों में हर्ष

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में हुए मनरेगा कर्मचारियों के महासम्मेलन में मानदेय वृद्धि सहित एचआर पालसी लागू करने व मातृत्व अवकाश जैसी घोषणाओं से मनरेगा कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है।

मंगलवार को फूलपुर विकासखंड में लखनऊ से वापस आए मनरेगा कर्मचारियों तथा ग्राम रोजगार सेवकों ने एक दूसरे को मिठाईयां खिलाकर मानदेय बृद्धि पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद देते हुए अपनी खुशी का इजहार किया। संगठन के मंडल अध्यक्ष विजय चंद्र विश्वकर्मा ने कहा कि लंबे अरसे से अपनी विभिन्न मांगों को लेकर आंदोलित ग्राम रोजगार सेवकों को मुख्यमंत्री द्वारा मिले इस सौगात से जहां सम्मानजनक मानदेय मिला वही मातृत्व अवकाश, आकस्मिक अवकाश तथा चिकित्सकीय अवकाश मिलना भी मनरेगा कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है। जिलाध्यक्ष अरुण यादव ने कहा कि रोजगार सेवकों के संविदा संबंधी विषयों पर उप श्रमायुक्त को नामित करने के मुख्यमंत्री जी के इस निर्णय का सभी ग्राम रोजगार सेवक स्वागत करते हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पटेल ने इपीएफ की विसंगतियों को दूर करने के लिए जल्द ही अधिकारियों से मिल कर उसे लागू कराने की बात रखी। जिला मीडिया प्रभारी हरिओम प्रकाश ने कहा कि नगर निकायों में सम्मिलित हो चुकी ग्राम पंचायतों के ग्राम रोजगार सेवकों को दूसरी ग्राम पंचायत में समायोजन सराहना योग्य है। वहीं ब्लाक अध्यक्ष नूरुद्दीन हाशमी ने विवाहित महिला ग्राम रोजगार सेवक का ससुराल की रिक्त ग्राम पंचायतों में समायोजन होना महिलाओं के लिए हितकारी बताया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से महिलाएं आसानी से अपनी नौकरी के साथ-साथ अपने घर परिवार को भी संभाल सकती है। इस मौके पर महामंत्री सुरेश कुमार, कोषाध्यक्ष अजय कुमार गुप्ता, अरुण शुक्ला, तकनीकी सहायक बृजेश कुमार ,नंद गोपाल ,मानिक सिंह, काशीनाथ, धमूर्राम ,कंप्यूटर ऑपरेटर राजकुमार मौर्य व लेखा सहायक राकेश कुमार सहित भारी संख्या में मनरेगा कर्मचारी उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत चनैनी करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत चनैनी विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 06–10–2021 से दिनांक 10–10–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत चनैनी में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 11–10–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 11–10–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	गांधी के घर से सुदामा के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	1.99 लाख	2 माह
2.	काली सड़क से सुदामा के कुआं तक पक्की नाली कार्य	1.99 लाख	2 माह
3.	सूर्य प्रकाश के घर से कुआं तक पक्की नाली कार्य	1.65 लाख	2 माह

धीतेश तिवारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चनैनी
करछना प्रयागराज।

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत सचिव/
टेण्डर/कोटेशन/2020–21/दिनांक

राम सकल
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चनैनी
करछना प्रयागराज।

शिवा प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित फैशन शो के कलाकार

फैशन प्रीमियर लीग का फैशन शो कि मच रही धूम 10 को प्रयागराज में होगा दूसरा ऑडिशन

मेजा रोड। शिवा प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित फैशन शो काफी धूम मचा रहा है, जबकि इसका पहला ऑडिशन अभी वाराणसी में ही हुआ है और दूसरा ऑडिशन प्रागराज में होने वाला है, जिसको लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। ज्ञात हो कि फैशन की दुनिया में उत्तर प्रदेश के सांस्कृतिक शहर वाराणसी से एक नये युवा का उद्भव हुआ है जिसे सभी ने टीवी सीरियल राधा कृष्णा में सराहा है। यू तो यहां से एक से बढ़कर एक कलाकारों ने फिल्मी दुनिया में धूम मचा रखी है और अब विक्रांत सेठ जैसे होनहार युवा अभिनय के दुनिया के साथ साथ फैशन की दुनिया में कदम रखकर नई नई प्रतिभाओं को आगे लाने का कार्य कर रहे हैं। विक्रांत सेठ ने बताया कि शिवा प्रोडक्शन के बैनर तले आयोजित फैशन शो का पहला ऑडिशन 02 अक्टूबर को वाराणसी में हुआ था और अब अगला ऑडिशन 10 अक्टूबर को प्रयागराज में होगा और फिर सेमीफाइनल 19 दिसंबर को प्रयागराज में ही और फाइनल 24 दिसंबर को वाराणसी में होगा। जिसमें जज मशहूर कलाकार अश्मित पटेल और सारा खान होंगी।विक्रम ने आगे बताया कि उनका सपना है कि भारत की छुपी प्रतिभाओं को आगे ला कर उन्हें उचित प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है। साथ ही उन्होंने उन सभी से अपील की है।

भाजयुमो महानगर प्रयागराज के आगामी कार्यक्रमों की तैयारी हेतु भाजपा कार्यालय पर हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के पदाधिकारियों की भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर बैठक हुई जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई बैठक की अध्यक्षता युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष रोहित पांडे उर्फ पप्पू पांडे ने किया कार्यक्रम का संचालन महामंत्री श्याम प्रकाश पांडे ने किया बैठक में सभी पदाधिकारियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए और सभी ने अपना अपना सुझाव दिया और सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का महामंत्री श्याम प्रकाश पांडे ने माला पहनाकर अंगवस्त्र देखकर स्वागत किया और उनके उज्जवल कार्यकाल की कामना की और कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी दी बैठक में मुख्य रूप से कार्यक्रम प्रभारी पवन राष्ट्रवादी मोनू सोनकर पंकज शुक्ला मनीष सिंह सौरभ कुशवाहा अमन केसरवानी ऋषभ टंडन शशांक शेखर सिंह देवेंद्र शुक्ला अमित मिश्रा हिमांशु श्रीवास्तव सौरभ मेहता यश कौशल संदीप मिश्रा बचपन गुप्ता विक्रांत शुक्ला अनुज मिश्रा तन्मय उपाध्याय लवकुश केसरवानी शुभम कुशवाहा रतन मित्तल आकाश चौरसिया विंकल शशांक शुक्ला रजत दुबे सहित कई सम्मानित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी बैठक करते

विकास दुबे की पत्नी को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बिकरू कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे की पत्नी ऋचा दुबे को राहत देने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने दूसरे व्यक्ति का सिम कार्ड का इस्तेमाल कर कपट धोखाधड़ी के आरोप में दाखिल चार्जशीट, मजिस्ट्रेट के संज्ञान लेने के आदेश व मुकदमे की कार्यवाही पर हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है और याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति शमीम अहमद ने ऋचा दुबे की याचिका पर दिया है।याचिका पर अधिवक्ता प्रभाशंकर मिश्र व राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने बहस की। याची के अधिवक्ता का कहना था कि याची के खिलाफ एसआईटी रिपोर्ट पर कानपुर नगर के चौबेपुर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस चार्जशीट दाखिल होने के बाद रमाबाई नगर कानपुर देहात की विशेष अदालत में आपराधिक केस चल रहा है। मजिस्ट्रेट ने पुलिस चार्जशीट को संज्ञान में लेकर समन जारी किया है, जिसकी वैधता को चुनौती दी गई है। याची का कहना था कि उसके पास मोबाइल फोन नहीं है। जो नंबर वह इस्तेमाल कर रही है, वह उसके नौकर महेश का है। उसे कोई आपत्ति नहीं है। फोन से कोई अपराध नहीं किया गया है। बिकरू कांड के मुख्य आरोपी विकास दुबे की पत्नी होने के नाते झूठा फंसाया जा रहा है।3 जुलाई 20 को बिकरू गांव में शूटआउट में सीओ समेत आठ पुलिस कर्मियों की मौत हो गई थी।

कार्यालय ग्राम पंचायत चनैनी करछना प्रयागराज

टेण्डर/कोटेशन

मनरेगा/चतुर्थ राज्य वित्त/14वां/15वां वित्त योजनाअन्तर्गत ग्राम पंचायत चनैनी विकास खण्ड करछना में अद्योलिखित कार्यो के आगणन /प्राकलन के अनुसार यथा आवश्यक मात्रा में सामग्री कार्य स्थल पर आपूर्ति भाड़ा सहित पहुंचाकर आपूर्ति हेतु आपूर्तिकर्ता से सील बन्द लिफाफे में टेन्डर/कोटेशन अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय में दिनांक 06–10–2021 से दिनांक 10–10–2021 को अपराह्न 3 बजे तक आमंत्रित किया जाता है। उक्त तिथि के बाद प्राप्त किसी भी टेन्डर/कोटेशन पर विचार नहीं किया जायेगा आपूर्तिकर्ता अपना कोटेशन/टेन्डर उक्त तिथि तक जमा कर सकते हैं नियम व शर्तें किसी भी समय कार्यालय कार्यदिवस में देखी जा सकती है तथा टेन्डर फार्म की बिक्री उक्त अवधि में कार्यालय समय 10 से 12 बजे तक प्रत्येक कार्यदिवस पर की जायेगी। किसी एक व समस्त टेन्डर/कोटेशन को निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत चनैनी में निहित होगा। टेन्डर/कोटेशन दिनांक 11–10–2021 को अपराह्न 4 बजे पूर्व निर्धारित कमेटी के समक्ष खोला जायेगा। टेन्डर/कोटेशन फार्म कार्यालय में ग्राम पंचायत विकास अधिकारी के पास दिनांक 11–10–2021 कार्यालय अवधि में समय 3.30 अपराह्न तक जमा किया जा सकता है। निम्नलिखित कार्य पर पर जिस–जिस सामग्री की आवश्यकता है उसका विवरण कार्यलय/नोटिस बोर्ड पर चस्पा है उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर अधिनियम के अन्तर्गत अनुमन्य जी.एस.टी. का भुगतान किया जायेगा। जिसके जमा करने का दायित्व आपूर्तिकर्ता का होगा साथ ही जी.एस.टी जमा चालान की आपूर्तिकर्ता द्वारा स्वप्रमाणित प्रति भुगतान के एक माह के अन्दर अपरिहार्य रूप से जमा करना होगा उसके उपरान्त ही अगला भुगतान किया जायेगा उस भुगतान पर ही उक्त नियम व शर्तें लागू रहेगी। इसके विपरीत स्थिति पाने पर भविष्य के उक्त फर्म को काली सूची में डालने हेतु यथोचित विधिक कार्यवाही कर दी जायेगी।

क्र0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में) सामग्री अंश	सामग्री अंश आपूर्ति की अवधि
1.	जल निगम टंकी से नाला तक इण्टरलाकिंग कार्य	2.16 लाख	2 माह
2.	सकील के घर से मोनू के घर तक पक्की नाली कार्य	1.99 लाख	2 माह
3.	इजहार के घर से नाला तक पक्की नाली कार्य	1.65 लाख	2 माह
4.	काली सड़क से महेश के घर तक इण्टरलाकिंग कार्य	1.99 लाख	2 माह

धीतेश तिवारी
ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत चनैनी
करछना प्रयागराज।

पत्रांकः मेमो/ग्राम पंचायत सचिव/
टेण्डर/कोटेशन/2020–21/दिनांक

राम सकल
ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत चनैनी
करछना प्रयागराज।

रैपुरा ग्राम पंचायत के सड़कों पर भरा पानी

रैपुरा की व्यवस्था ध्वस्त जल जमाव को लेकर जनता त्रस्त

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। स्थनीय रैपुरा पंचायत कहने को सिर्फ इस कि दुर्बयवस्था देखने करने योग्य भी नही है हर जगह जल जमाव की स्थिति बनी हुई है न ही कोई निराकरण हो रहा है न ही कोई सुविधा मुहिया कराया जा रहा है बताते चले कि रैपुरा की ये जल जमाव पानी की डेंगू मछर व अन्य बैक्टीरिया को जन्म दे रहा है इसपर किसी भी अधिकारी का ध्यान नही है सब अपने पापड़ सेकने में लगे है रैपुरा के लोग अगर कहते भी है तो उनकी आवाज कोई नही सुनता आखिर ग्रामीण रोड पर उतर कर धरना प्रदर्शन करेंगे इसका निवार्ण कैसे होगा ये सोचने की बिवश है आरसीसी रोड की सबसे पुरानी संस्था मानव प्रायमरी स्कूल की स्थिति देखने लायक नहीं है जहां स्कूल चलना प्रारंभ हो चुकी है वही छोटे बच्चे की जल जमाव के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा अगर कोई बच्चा उसमे गिर जाए इस की जिम्मेदारी किसकी होई मेजा प्रशासन यह सब देखते हुए थे चुपचाप मौन लगया हुआ है बताते चले हर ग्रामीण के समस्या हर अस्तर के अधिकारी को दीया जाए पानी का निकाश किया जाए।

आँधी में गाड़ी खड़ी करने को लेकर दो पक्ष भिड़े

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। दरवाजे के सामने गाड़ी खड़ी करने व हटाने को लेकर दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुचीं इलाकाई पुलिस ने मारपीट में शामिल लोंगो को हिरासत में लेकर चालान कर दिया। मांडा थाना क्षेत्र के आँधी निवासी (प्रथम पक्ष) कपिल मुनि उपाध्याय, त्रिभुवन उपाध्याय व कुलदीप कुमार उपाध्याय और द्वितीय पक्ष से रविशंकर उपाध्याय, गणेश उपाध्याय व अमित कुमार में सोमवार को दरवाजे पर गाड़ी खड़ी करने एवम हटाने को लेकर जमकर मारपीट हो गई। इससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। इस मारपीट में एक को गम्भीर चोट लगी,जिसे इलाज हेतु अस्पताल ले जाया गया। वहीं मारपीट की सूचना पर दिघिया पुलिस चौकी के उपनिरीक्षक सुभाष यादव दलबल सहित

पुलिस ने सभी को हिरासत में लेकर किया चालान

घटनास्थल पहुचें। उन्होंने सभी को हिरासत में ले लिया और शांति भंग के आरोप में चालान कर दिया। इसी तरह क्षेत्र के दोहथा निवासी झल्लर उपाध्याय को भी पुलिस ने हिरासत में लेकर शांति भंग के आरोप में चालान कर दिया।

गरीबो के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने चलायी आवास योजना : विधायक राजकुमार

सदर विधायक व नपा अध्यक्षा ने लाभार्थियों को सौपी प्रधानमंत्री आवास की चाभी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर के हादीहाल में सोमवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत नगर क्षेत्र में बने आवासो की चाभी सदर विधायक राजकुमार पाल व नगर पालिका अध्यक्षा प्रेमलता सिंह द्वारा दिया गया। आज सोमवार को हादीहाल में क्षेत्र के 200 लाभार्थी बुलाये गए थे।

जिन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का लाइव प्रसारण देखा और सुना। इस बारे में नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी मुदित सिंह ने बताया कि नगर पालिका क्षेत्र में 200 तथा नगर पंचायतो में 100 लाभाथिन्यो को आज चाभी वितरण कार्यक्रम में बुलाया गया था जिन्होने प्रधानमंत्री जी का लाइव प्रसारण सुना। इस

अवसर पर सदर विधायक राजकुमार पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबके साथ सबका विकास के तहत प्रधानमंत्री आवास के लाभाथिन्यो को आवास का लाभ दिया जा रहा है। नगर पालिकाध्यक्षा प्रेमलता सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गरीबो के उत्थान के लिए जो विकास कार्यक्रम चलाए है उसका आम जनता को लाभ मिल रहा है। यही कारण है कि देश व प्रदेश की जनता मोदी जी को उतना ही प्यार करती है।

कार्यक्रम का संचालन सभासद ज्ञानेश मिश्रा ने किया। चाभी वितरण कार्यक्रम में प्रतीक स्वरूप 11 लाभाथिन्यो को आवासो की चाभी सदर विधायक व अध्यक्षा नगर पालिका द्वारा दी गई। इस अवसर पर डूडा प्रभारी तथा उपजिलाधिकारी जल राजन चौधरी भी मौजूद रहे। जनपद में आज प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अन्तर्गत 1000 लाभाथिन्यों को पूर्ण आवास के चाभी/प्रमाण पत्र का वितरण किया गया जिनमें नगर पालिका परिषद के 200, नगर पंचायत प्रतापगढ़ सिटी के 200, नगर पंचायत कटरा मेंदनीगंज के 100, नगर पंचायत अन्तू के 100, नगर पंचायत रानीगंज के 100, नगर पंचायत पट्टी के 100, नगर पंचायत मानिकपुर के 100 व नगर पंचायत कुण्डा के 100 लाभाथिन्यों के नाम सम्मिलित है।

हथिगवां में अधिवक्ता पुत्र पर हुए जानलेवा हमले

लूट के मामले में पुलिस के हाथ खाली

अखंड भारत संदेश

परियावां प्रतापगढ। एक तरफ जिले के पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल क्राइम मीटिंग में अपने मातहतों को घटनाओं पर अंकुश लगाने वअपराधियो की गिरफ्तारी का सख्त निर्देश देती है तो वही दूसरी तरफ हथिगवां पुलिस अपने आला अफसर के निर्देश को ताक पर रखकर अपराधियो पर नकेल कसने में असहाय नजर आ रही है। जिससे हथिगवां पुलिस की लचर कार्यप्रणाली से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कुंडा कचहरी में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया जिससे कचहरी में हड़कम्प मच गया। बता दें कि हथिगवां बाजार निवासी शीतला प्रसाद केसरवानी कुंडा कचहरी में अधिवक्ता हैं और पूर्व में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। बीते 11 सितंबर को अधिवक्ता शीतला प्रसाद केसरवानी के बड़े पुत्र संजय केसरवानी लालगोपालगंज से देर शाम लौट रहे थे। तभी हथिगवां थाना क्षेत्र के महाराजपुर के पास अज्ञात बाइक सवार बदमाशों ने उन पर जानलेवा हमला कर 20 हजार नगदी समेत मोबाइल लूट लिया। बदमाशों के हमले में अधिवक्ता पुत्र संजय केसरवानी को गंभीर चोटें आई। मामले में हथिगवां पुलिस ने मुकदमा तो दर्ज कर लिया लेकिन घटना के 25 दिन बीतने के बाद बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा। जिससे अधिवक्ताओं में आक्रोश फैल गया। अधिवक्ताओं ने मंगलवार को लगातार दूसरे दिन कुंडा तहसील में तालाबंदी कर विरोध प्रदर्शन किया। कुंडा एसडीएम न्यायिक राम नारायण यादव से भी अधिवक्ताओं की नोक झोंक हुई। अधिवक्ताओं के तेवर देख एसडीएम न्यायिक ने कचहरी से हटना ही मुनासिब समझा। इसके बाद अधिवक्ताओं का हुजूम सीओ कार्यालय पहुंचा जहां सीओ के सामने नाराज अधिवक्ताओं पुलिस प्रशासन व हथिगवां एसओ के खिलाफ जमकर नारेबाजी किया। अधिवक्ताओं का आक्रोश देख सीओ कुंडा अर्जुन सिंह काफी असहज दिखाई दिए। हालांकि की कुछ वरिष्ठ अधिवक्ताओं की बातचीत के बाद कुंड सीओ अर्जुन सिंह ने जब घटना का जल्द खुलासा करने का आश्वासन दिया तब कही जाकर अधिवक्ता शांत हुए। इस दौरान दि बार एसोसिएशन कुंडा के अध्यक्ष शीतला प्रसाद यादव, विजय तिवारी, संजय पांडेय, सुनील तिवारी, अशोक पाण्डेय, हरिओम मिश्रा, लवलेश श्रीवास्तव, सोमनाथ मिश्रा, मुकेश धुरिया, आशुतोष पाण्डेय, मोनू ओझा, श्याम पांडेय, समेत भारी संख्या में अधिवक्तागण मौजूद रहे।

तीन आरोपियों के खिलाफ दलित उत्पीड़न की रिपोर्ट

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने तीन आरोपियो के खिलाफ एएसपी के निर्देश पर दलित उत्पीड़न तथा मारपीट व जानलेवा धमकी एवं तोडफोड का केस दर्ज किया है। ब्रम्हचारी का पुरवा निवासी अजय सरोज पुत्र लालजी ने दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तीन अक्टूबर को रात साढ़े दस बजे भाई की ससुराल से वापस आते समय मादामई चौराहे पर पहले से घात लगाये बैठे जयकरन के पुत्र सुरेन्द्र सिंह व अनिल सिंह व इंद्रभान सिंह ने रंजिशन पीड़ित के भाई शिवकुमार तथा पिता लालजी को लाठी डंडे से मारापीटा। विरोध करने पर जातिसूचक शब्दों से गाली देते हुए उसके वाहन मे तोडफोड कर नुकसान पहुंचाया।

चोरी का विरोध करने पर युवक पर हमला, नकदी ले गए चोर

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़ पट्टी। घर में रखे शादी के लाखों रुपए के आभूषण व नगदी चोर उठा ले गए। पीड़ित के जागने पर जब चोर को पकड़ लिया तो चोर ने पीड़ित के सर पर प्रहार कर भाग निकला। शोरगुल मचाने पर पहुंचे आसपास के लोगों इकट्ठा हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना डायल 112 पर दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर वापस लौट गई। पीड़ित ने इस मामले में पड़ोस के एक युवक को नामजद करते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उसी पुर गांव निवासी कैलाश सिंह अकेले घर पर रहता है। उसकी बहन की शादी फरवरी माह में है। बहन की शादी के लिए उसने घर में सोने के आभूषण व पैसे का इंतजाम करके रखा था। आरोप है कि बीती रात पड़ोस के एक युवक उनके घर में घुसा और आलमारी में रखे जेवरात एक अंगूठी, सोने की चौन, चांदी का पायल, व 20000 हजार रुपए नगदी ले जा रहा था। इसी बीच पीड़ित जाग गया और उसने चोर को पकड़ लिया। शोर मचाने चोर ने पीड़ित के सिर पर हमला कर घायल कर दिया तथा सामान लेकर फरार हो गया। पीड़ित ने घटना की सूचना डायल 112 को दी। मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर वापस लौट गई। मंगलवार को इस मामले में पीड़ित ने पट्टी पुलिस को पड़ोस के एक युवक को नामजद करते हुए तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरों ने उड़ाये हजारों के माल

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। अज्ञात चोरों ने सोमवार की रात घर मे चोरी की वारदात को अंजाम देकर कपड़े व बर्तन तथा सिलेण्डर आदि कीमती सामान पर हाथ फेर दिया। कोतवाली के चौखड़ निवासी सुंदरलाल वर्मा वर्मा नगर चौराहे पर सब्जी की दुकान लगाता है। सुंदरलाल ने वर्मा नगर मे मकान बनवा रखा है। इधर बीमारी के चलते पीड़ित पैतृक गांव चौखड़ मे रहता है। सोमवार की रात उसके घर के पीछे के दरवाजे की कुण्डी तोड़कर चोरी की घटना अंजाम दी। पुलिस का कहना है तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पुरानी पेंशन को लेकर शहर में निकली बड़ी मोटर साइकिल रैली

शिक्षको एवं कर्मचारियो ने दिखायी एकजुटता

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कर्मचारी शिक्षक अधिकारी एवं पेंशनर्स मंच प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश के बैनर तले प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर आज दिनाँक 5-10-21 को मोटर साईकिल रैली निकाली गई जिसकी अध्यक्षता अधिकार मंच के जिलाध्यक्ष श्री रमाशंकर शुक्ल ने की इस रैली में प्रमुख रूप से प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री विनय सिंह व ,सत्य प्रकाश पांडेय और माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष अनिल सिंह ,डिप्लोमा संघ के जिलाध्यक्ष ,नच मिनिस्ट्रियल असोसिएशन के जिला संयोजक विजय सिंह, ग्राम पंचायत अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष सुनील

प्रभाकर जी आदि ।रैली का संचालन प्राथमिक शिक्षक संघ जिला कार्य समिति के सदस्य प्रभा शंकर पांडेय ने किया ।

यह मोटर साईकिल रैली पुरानी पेंशन बहाली सहित 21 सूत्रीय मांग को लेकर पुरुषोत्तम दास टंडन चौराहा कंपनी बाग पर एकत्रित होकर भारी संख्या में यहां पर शिक्षकों कर्मचारियों एवं अधिकारियों का जमावड़ा रहा ।यह मोटर साईकिल रैली ,पुरुषोत्तम दास ,कंपनी बाग चौराहे से निकल कर मीरा भवन चौराहा -बस स्टैंड होते हुए नारे बाजी करते हुए अम्बेडकर चौराहे पर पहुंचे आगे चलकर ट्रेजरी चौराहा- बलीपुर -भंगवा चुंगी से चौक होते हुए सदर मोड़ से के पी कालेज होते हुए राजा पाल टंकी चौराहा से पुनः अम्बेडकर चौराहे पर एकत्रित हो कर पुरानी पेंशन बहाल करो नारे बाजी करते रहे जहां पर उप जिलाधिकारी प्रतापगढ़ आ कर ज्ञापन को प्राप्त किया । शिक्षक कर्मचारियों की बहुत बड़ी भीड़ पुरानी पेंशन को लेकर नगर के बिभिनन्चौराहो पर जमा रही । अंत मे अधिकार मंच के जिलाध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि पेंशन हमारा अधिकार है और पुरानी पेंशन बहाल करने तक संघर्ष करते रहेंगे ।इस अवसर पर राजेश पांडेय ,अजीत कुमार ,प्रभाकर सिंह ,राकेश सिंह प्रभात मिश्र ,अनूप सिंह,धर्मेंद्र शुक्ल ,विजय कुमार ,निभय सिंह ,प्रशांत,संतोष, नवीन , रामानंद मिश्र राजीव गुप्ता ,अशोक शुक्ला, अनुराग सिंह ,बालेंदु शुक्ला जैनेंद्र सरोज प्रभाकर नाथ ,फारूक,विनय सिंह, वेणु जी वीरेन्द्र ,सुशांत ,जीतेन्द्र साहू ,गौरव आदि ।

व्यापार मण्डल के अध्यक्ष ने व्यापारिया से अतिक्रमण हटाने का चलाया अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उ.प्र.उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुमार केसरवानी के नेतृत्व में व्यापार मंडल का एक प्रतिनिधि मंडल चौक घंटाघर से बजाजा रोड पर व्यापारियों से अतिक्रमण ना करने का सादर अनुरोध कर अतिक्रमण हटाओ निवेदन अभियान चलाया गया। व्यापार मण्डल द्वारा जनहित व व्यापारीहित में यह निवेदन अभियान शहर के अन्य मार्गों पर भी निरंतर चलाया जाएगा। जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार सहित साथ में निकले हुए अन्य पदाधिकारियों व व्यापारियों ने सभी दुकानदारों से हाथ जोड़ कर विनम्र निवेदन किया कि आपसभी अपने दुकानों के सामने किसी तरह का अतिक्रमण ना करें, जिससे उनके ग्राहक जो भगवान स्वरूप उनके प्रतिष्ठानों पर आते हैं उन्हें सुचारू रूप से आने का और सामानों को खरीदने में आसानी हो। साथ ही सड़कों पर चलने वालों राहगीरों को सरलता हो। जिलाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार केसरवानी ने सभी से विशेष आग्रह यह भी किया की चूंकि जिला अस्पताल जाने का रास्ता चौक घंटाघर से बजाजा रोड होते हुए है इसलिए यदि स्थाई और सरलता होगी। जिलाध्यक्ष ने सभी दुकानदार भाइयों से करबद्ध निवेदन किया कि वह इन सभी बातों को ध्यान रखते हुए अपने सामानों में प्रमुख रूप से राम शंकर जायसवाल, लखन बाबा, संजय सोनी, अभय खंडेलवाल, सतीश चंद्र सोनी, नारायण खंडेलवाल,

दुकानदार अपनी सीमा के अंदर दुकानों को रखेंगे तो आने जाने वाले राहगीरों के साथ-साथ दुर्घटनाओं से ग्रसित लोगों को लाने में एंबुलेंस को आने जाने में विशेष सहायता को नाली तक ही रखें और जनपद को स्वच्छ-सुंदर बनाते हुए नगरपालिका व पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। उपरोक्त अभियान में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों सरदार कुलविंदर सिंह, सरदार वरिंदर सिंह, हरीश कुमार सोनी, अख्तर राइन, शकील अख्तर, सुधीर केसरवानी, भुल्लन नेता आदि अन्य लोग उपस्थित रहे।

आरोपियों के खिलाफ मारपीट व बलवा का मामला दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने पंडित का पुरवा निवासी शिवमणि मिश्र पुत्र हरिश्चंद्र की तहरीर पर तीन नामजद तथा दस से पन्द्रह अज्ञात आरोपियों के खिलाफ बलवा एवं मारपीट तथा जानलेवा धमकी का केस दर्ज किया है। पीडित ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि चार अक्टूबर को वह सगरा सुंदरपुर बाजार गया था। वहां शकूहाबाद के शहजाद तथा हदिराही के साहिल व सगरा के आजाद ने कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसे लाठी डंडे से मारापीटा। तहरीर मे कहा गया है कि आरोपी इसके पहले भी पन्द्रह जनवरी को घर से सगरा सुंदरपुर जाते समय रंगदारी की मांग को लेकर मारपीट की घटना अंजाम दी थी। विरोध करने पर आरोपियो ने पीड़ित को गाली देते हुए जानलेवा धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सहजाद समेत आरोपियो के खिलाफ केस दर्ज किया है।

प्रियंका की गिरफ्तारी पर उबले कांग्रेसी किया प्रदर्शन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व उ0प्र0 प्रभारी प्रियंका गांधी को लखीमपुर खीरी जाते समय सीतापुर में गिरफ्तार कर लिए जाने और दो दिनों से बिना कारण बताए हिरासत में रखने से आक्रोशित कांग्रेसजनों ने आज स्थानीय अम्बेडकर चौराहे पर धरना प्रदर्शन कर प्रियंका गांधी को छोड़ने की मांग की।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी ने कहा कि लखीमपुर खीरी में अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों को सत्ता के मद में चूर केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी के सुपुत्र ने कुचल कर मारने का घृणित कार्य किया है, जब विपक्ष अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाता है तो उसके नेताओं की आवाज दबाई जाती है। प्रियंका जी की आवाज उ0प्र0 सरकार में दम नहीं जो दबा सके। हमारी नेता प्रियंका गांधी दृढ़ इच्छाशक्ति वाली नेता हैं, जब उन्होंने कहा है कि वे पीड़ितों से मिलने जाएंगी, तो अवश्य ही जाएंगी।

जिलाध्यक्ष डॉ0लालजी त्रिपाठी ने इस अवसर पर पांच सूत्रीय ज्ञापन महामहिम राज्यपाल उ0प्र0 को संबोधित उप जिलाधिकारी को सौंपा। धरना-प्रदर्शन में मुख्य रूप से पूर्व अध्यक्ष नरसिंह प्रकाश मिश्र, बृजेन्द्र मिश्र, डा0वी0के0सिंह, इरफान अली, कपिल द्विवेदी, वेदांत तिवारी,सुरेश मिश्र, संजय मिश्रा, प्रेम शंकर द्विवेदी, चंद्रनाथ शुक्ल, प्रवीण द्विवेदी, आकाश मिश्र, हुशनरा खान, फतेह बहादुर सिंह, महेंद्र सिंह, रामधन यादव, अजीत प्रताप सिंह, दीपक शुक्ल, मो0दिलशाद, सहित अनेक कांग्रेस जन मौजूद रहे।

सीएचसी कालाकांकर का एक्स-रे मशीन बना शो पीस

अखंड भारत संदेश

परियावां प्रतापगढ़। केंद्र की मोदी व प्रदेश की योगी सरकार एक तरफ सरकारी अस्पतालों को सभी सुविधाओं से लैस करने के लिए पानी की तरह पैसे बहा रही है ताकि गरीब तब के लोगो का कम पैसे में अच्छा इलाज हो सके।तो वही दूसरी ओर सीएचसी कालाकांकर में लगभग 6 माह से बन्द पड़ा एक्सरे मशीन अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अस्पताल की एक्सरे मशीन के बन्द होने से मरीजों को बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है हड्डी सम्बन्धी एक्सरे के लिए प्राइवेट क्लीनिकों में मुँह माँगा पैसा देकर एक्सरे कराना पड़ रहा है जिससे गरीबो की जेब ढीली पड़ रही है इस बाबत जब सीएचसी चिकित्साप्रभारी डॉ मनोज कुमार वर्मा से जानकारी किया तो बताया कि एक्सरे मशीन चलाने का काम लखनऊ डीजी हेल्प से संविदा कर्मचारियों को जिम्मा देती है संविदा कमिन्यों को समय से पैसा न मिलने से अस्पताल का एक्सरे मशीन बन्द पडा है जब शासन की तरफ कोई पहल शुरू होगी तभी एक्सरे मशीन चालू हो सकेगी। एक्सरे मशीन के बन्द होने से मरीजों को दिक्कत उठानी पड़ रही है जिसकी जानकारी जिला मुख्यालय से लेकर लखनऊ डीजी हेल्प विभाग को है।

महाविद्यायालयो में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के इतिहास को दे प्राथमिकता : बालमुकुंद

पीबीपीजी विद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी में बोले राष्ट्रीय संगठन सचिव

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर सनतकोत्तर महाविद्यालय प्रतापगढ़ सिटी में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद नई दिल्ली एवं अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना नई दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में आजादी के 75वें वर्ष अमृत महोत्सव के अवसर पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सबोध स्वराज एवं प्रतिरोध का इतिहास विषय पर प्रो. सुमन जैन की अध्यक्षता में सम्पनन हुई।

कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती जी के प्रतिमा पर मुख्य अतिथि बाल मुकुंद पाण्डेय राष्ट्रीय संगठन सचिव एवं राजा अनिल प्रताप सिंह ने दीप प्रज्जवलन करके किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय संगठन सचिव बाल मुकुंद पाण्डेय ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के इतिहास को लेकर सन् 1917 मे झींगुरी सिंह द्वारा किसान आंदोलन में सन् 1915 मे गांधी जी द्वारा सहयोग आंदोलन, नमक आंदोलन आदि के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि आज पाठ्यक्रम में हमारे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के इतिहास को विस्तार पूर्वक पढ़ाना चाहिए। 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन में गांधी जी ने कहा कि यह मेरा नया अवतार है। रेल, डाक, टेलीफोन आदि सेवाओ को बाधित कर आम जनमानस को गुलामी से मुक्त कराने के लिए बड़ा आंदोलन चलाया था। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के

अध्यक्ष डा. देवी प्रसाद सिंह ने कहा कि संगत से ही सद्गुणो का विकास होता है और संगत से ही सद्गुणो का विनाश होता है। उन्होने कहा प्रतापगढ़ की धरती वीरो की धरती है। हमे पूर्वजो के बलिदान को सदैव स्मरण करते रहना चाहिए। महाविद्यालय के प्रबंधक राजा अनिल सिंह ने कहा कि भारत वैदिक काल से विश्व गुरू रहा है। नालंदा एवं तक्षशिक्षा जैसे विश्वविद्यालय में विश्व के अधिकांश देशो से यहां पर शिक्षा लेने आते थे। लेकिन गुलामी के समय भारतीय संस्कृत को नष्ट करने के लिए विदेशियो द्वारा नालंदा विश्वविद्यालय को जला दिया गया जिसमें लगभग 90 लाख किताबे जला दी गई थी। इश्वर शरण पीजी कालेज के प्राचार्य प्रो. आनन्द शंकर सिंह ने कहा कि प्राचीन काल में भारतीय किसानो का शोषण और जमीदारी का प्रचलन था। उन्होने कहा युवा पीढ़ियो को भारतीय संस्कृत के बारे में जानना चाहिए तथा प्रतापगढ़ के क्रांतिकारियो को याद किया जाना चाहिए। संगोष्ठी के द्वितीय सत्र में डा. सर्वेश सिंह, डा. विनोद त्रिपाठी, डा. राजेश मिश्र, डा. पीयूष कांत शर्मा, डा. धर्मेन्द्र प्रताप सिंह ने संगोष्ठी में अपने विचार रखे। समापन सत्र में राष्ट्रीय सह संगठन सचिव संजय ने कहा पुर्तगाली सबसे पहले आये और स्वागत करने वालो का हाथ काट लिए व ईसाई धर्म का प्रचार और यहां पर कब्जा करने के लिए आए थे। मुख्य अतिथि का राजा अनिल प्रताप सिंह ने अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया। संगोष्ठी का संचालन पीयूष कांत शर्मा ने किया। आभार महाविद्यालय के प्राचार्य डा. बृजभानु सिंह ने किया। इस अवसर पर विभाग संघ चालक रमेश त्रिपाठी, विभाग प्रचार परितोष, उदयभान सिंह, डा. आर.के. सिंह, श्रीमती श्रद्धा सिंह, डा. विनोद, डा. सर्वेश सिंह, डा. चन्द्रप्रकाश, डा. विमलेश कुमार पांडेय, डा. संतोष शुक्ला, प्रभाकर पाण्डेय, अनिल देव जी, राजेश कुमार मिश्र, विनोद त्रिपाठी, रश्मि सिंह, डा. देवेश सिंह, डा. नीरज त्रिपाठी आदि लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन

कौशाम्बी। विकास खण्ड सरसवां की खण्ड स्तरीय ग्रामीण खेल-कूद प्रतियोगिता का आयोजन ग्रामीण स्टेडियम पश्चिम शरीरा में दिनांक 08 अक्टूबर 2021 को किया जायेगा। इस प्रतियोगिता में एथलेटिक्स, कबड्डी, बालीबाल, भारत्तोलन एवं कुश्ती की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया जायेगा, जिसमें विकास खण्ड के बालक एवं बालिकायें प्रतिभाग करेंगी। प्रतियोगिता में विजयी खिलाड़ियों को विभाग की तरफ से प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार दिया जायेगा।

वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना कोखराज पुलिस द्वारा सीआरपीसी में वारंटी अभियुक्त इशाक उल्ला पुत्र सुलेमान निवासी आजाद नगर भरवारी थाना कोखराज को गिरफ्तार कर कार्रवाई के पश्चात न्यायालय भेज दिया है।

अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। थाना पश्चिम शरीर पुलिस द्वारा अभियुक्त बच्ची लाल पुत्र सदेई निवासी पूरब सरावा थाना पश्चिम शरीरा के कब्जे से 50 किलो लहन तथा 10 लीटर शराब व शराब बनाने के उपकरण बरामद होने पर गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई के पश्चात अभियुक्त का चलाना न्यायालय कर दिया है।

रोजगार मेले में उपस्थित ग्रामीण

राजकीय विद्यालय आईटीआई सिराथू में लगा अप्रेंटिसशिप मेला संपन्न

अखंड भारत संदेश

टेडीमोड कौशांबी। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के गृह जनपद कौशांबी के सिराथू क्षेत्र के अंतर्गत राजकीय आईटीआई विद्यालय सिराथू में सोमवार को अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया गया। इस रोजगार मेले का शुभारंभ सिराथू के बीजेपी विधायक शीतला प्रसाद पटेल , मंझनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक लाल बहादुर के नेतृत्व में शुभारंभ किया गया। इस रोजगार मेले में क्षेत्र के 2000 विद्यार्थियों ने भाग लिया राजकीय आईटीआई विद्यालय में बाहर से आई हुई 16 कंपनियों ने अपने रोजगार देने के लिए भाग लिया। विद्यार्थियों का रजिस्ट्रेशन इस रोजगार मेले किया गया विद्यार्थियों ने राजकीय विद्यालय आईटीआई सिराथू के प्रिंसिपल वा टीचरों की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना के तहत क्षेत्र के बेरोजगार विद्यार्थियों को रोजगार मिलने का अवसर सरल हो गया है विद्यार्थियों ने अपने प्रमाण पत्रों व डिग्री को लेकर रोजगार पाने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया।

दलित किशोरी को ढूंढने के एवज में चौकी इंचार्ज पर 20 हजार रुपये मांगने का आरोप

इमामगंज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के पल्हाना गांव की दलित किशोरी को दो माह पूर्व गांव के ही अरविंद पांडेय भगा ले गया है। मामले की नामजद शिकायत पीड़ित ने इलाकाई थाना में किया था, मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया था, जिसकी खोजबीन आज तक पुलिस नही कर सकी है। पीड़ित अपनी बेटी को पाने के लिए लगातार थाना ,चौकी का चक्कर लगाता रहा लेकिन उसकी सुनवाई नहीं की जा रही है, आरोप है कि चौकी इंचार्ज मूरतगंज बीस हजार रुपए की मांग कर रहे है। इलाकाई कोतवाली से न्याय न मिलता देख पीड़ित ने सोमवार को एसपी को शिकायती पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है साथ ही पीड़ित ने अपने शिकायती पत्र में बताया कि चौकी इंचार्ज मूरजगंज लड़की को ढूढने की एवज में बीस हजार की मांग कर रहे है। साथ ही पैसा न देने पर किशोरी के पिता की पिटाई की अभी गोरखपुर पुलिस कांड की आग ठंडी भी नही हुई मूरतगंज चौकी इंचार्ज द्वारा पुलिस की छवि खराब करने का नया मामला आ गया है। बरलहाल कुछ भी हो जिस प्रकार चौकी इंचार्ज खाकी पर धब्बा लगा रहे है उससे जनता का पुलिस पर से भरोषा उठता जा रहा है। अब देखना यह होगा कि क्या इस चौकी इंचार्ज पर कार्रवाई होती है या नही।

न्यूज झरोखा

विभागीय अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक करते मंत्री जिलाधिकारी व अन्य

कौशाम्बी। प्रदेश के मंत्री ग्राम्य विकास विभाग एवं समग्र ग्राम्य विकास राजेन्द्र प्रताप सिंह मोती सिंह ने मंगलवार को कांशीराम अतिथि गृह ओसा में विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की बैठक में मंत्री ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण एंव मुख्यमंत्री आवास योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए निर्देश दिये कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित की जाय तथा पात्र लाभार्थियों को योजना से लाभान्वित किया जाय। उन्होने डीसीएनआरएलएम को स्वयं सहायता समूहों के गठन में और तेजी लाये जाने तथा जो समूह असक्रिय हैं, उन समूहों को सक्रिय करने के निर्देश दिये। उन्हांने जनपद के सभी विकास खण्ड कार्यालयों में जर्जर भवनों की मरम्मत एवं फर्नीचर आदि जो भी कमियां हैं, उन सभी का अधिशासी अभियंता आरईएस एवं लोक निर्माण विभाग से तीन दिन के अन्दर आंकलन कराकर आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। उन्होंने विकास खण्ड कार्यालय के परिसरों को इंटरलांकिग किये जाने के भी निर्देश दिये। उन्होंने सभी अधिकारियों से जिम्मेदारीपूर्वक कार्यो का निर्वहन करते हुए योजनाओ का लाभ पात्र व्यक्तियों तक शीघ्रता से पहुंचाने के निर्देश दिये। उन्होंने विकास खण्ड की जमीन पर हुए अवैध कब्जों को चिह्नित कर हटवाने के भी निर्देश दिये इस अवसर पर जिलाधिकारी सुजीत कुमार, पुलिस अधीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा, मुख्य विकास अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लाभार्थियों को वितरित की गई चाभी

वितरित की गई आवास की चाभियाँ

कौशाम्बी। प्रधानमंत्री द्वारा लखनऊ में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत सभी 75 जनपदों से चयनित 75 हजार लाभार्थियों को चाबी वितरण एवं लाभार्थियों से संवाद किया गया। इस समारोह का कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार मे आयोजित प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत लाभार्थियों को चाबी वितरण कार्यक्रम में सजीव प्रसारण किया गया अपर जिलाधिकारी जयचन्द्र पाण्डेय द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 141 लाभार्थियों को सम्राट उदयन सभागार में चाबी वितरित की गयी। इसी प्रकार चाबी वितरण कार्यक्रम का आयोजन नगर निकाय-अजुहा, चायल, करारी, सरांय अकिल, सिराथू एवं भरवारी में भी किया गया। जिसमें अजुहा में 135 लाभार्थियों को, चायल में 214 लाभार्थियों को, करारी में 185 लाभार्थियों को, सरांय अकिल में 150 लाभार्थियों को, सिराथू में 175 लाभार्थियों को तथा भरवारी में 100 लाभार्थियों को आवास की चाबी वितरित की गयी। जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के कुल 1100 लाभार्थियों को आवास की चाबी वितरित की गयी।

आपदा प्रबंधन के बारे में बालिकाओं की दी जानकारी

आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी देते डॉ नीरज सिंह व उपस्थित बालिकाएं

अखंड भारत संदेश

टेढ़ी मोड़ कौशांबी। सामुदायिक स्वास्थ्य कडा के अधीक्षक डॉ नीरज सिंह के निर्देशन में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कड़ा में बालिकाओं को मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए प्रशिक्षण दिया गया कार्यक्रम में डॉ वंदना सिंह के द्वारा बालिका में मॉक ड्रिल करते हुए

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में बालिकाओं को मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत आपदा प्रबंधन की दी गई जानकारी

प्रशिक्षित किया गया साथ ही साथ हाथ धुलने की सही विधि का अभ्यास करते हुए नारी सशक्तिकरण अभियान के बारे में जानकारी दी गई और बालिकाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर-के औषधियों का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में सहयोग हेतु कार्यदाई संस्था टाइम्स सेंटर फॉर लर्निंग लिमिटेड लखनऊ से संबंधित जिला समन्वयक नमन कुमार पांडे और प्रशिक्षक दीपक त्रिपाठी के साथ डॉ आसिफ ,डॉ गौरव कुमार, सीमा देवी एवं राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य डॉ अनामिका विद्यार्थी व विद्यालय की शिक्षिकाएं मौजूद थीं।

डीएम ने आगामी विधानसभा सामान्य-निर्वाचन के संबंध में अधिकारियों के साथ की बैठक

कौशाम्बी। जिलाधिकारी सुजीत कुमार ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित सम्राट उदयन सभागार में आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन 2022 की तैयारियों के संबंध में समस्त नामित प्रभारी/सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक की बैठक में जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियो को टीम भावना के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होने कहा कि निर्वाचन में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। उन्होने उप जिलाधिकारियों को बूथों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। उन्होने सभी अधिकारियों से कहा कि वे अपना व अपने कर्मचारियों का कोविड वैक्सिनेशन अवश्य करवा लें। उन्होने बूथों पर मूलभूत सुविधायें सुनिश्चित करने एवं संवेदनशील एवं क्रिटिकल बूथों को चिन्हित कर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिये।

सेंध काटकर नकदी सहित लाखों का माल समेट ले गए चोर

घटना स्थल पर मौजूद परिजन

अखंड भारत संदेश

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के धुमाई ग्राम सभा मे घर के पीछे की दीवार में सेंध लगाकर चोर नकदी सहित लाखों का माल लेकर चंपत हो गए। जानकारी के मुताबिक जुबैर अहमद पुत्र स्व शाह मोहम्मद का घर धुमाई ग्राम सभा मे किनारे स्थित है जुबैर के अनुसार आज मंगलवार को घर मे सांस्कृतिक कार्यक्रम की तैयारी चल रही थी बीती रात घर के लोग बाहर छप्पर के नीचे सो रहे थे रात में कुछ आवाज सुनाई दी जिस पर घर के अंदर देखा गया तो अज्ञात चोरों ने पीछे दीवार में सेंध लगाकर बख्शा सहित 50 हजार नगद लेकर चंपत हो गए थे घर के पिछवाड़े कुछ दूर पर टूटा हुआ बख्सा भी मिला है जुबैर के अनुसार चोरों ने 50 हजार की नकदी सहित 3 लाख रुपए कीमत के सोने चांदी जेवर समेट कर फरार हुए हैं वहीं अझुवा चौकी पुलिस ने ऐसी किसी सूचना से इनकार किया है।

दशहरा नवरात्रि को लेकर चरवा थाने में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

कौशाम्बी। आगामी दशहरा नवरात्रि के पर्व को शकुसल शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने को लेकर चरवा थाने में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई है बैठक के दौरान थाना अध्यक्ष ने कहा कि कोविड-19 का पालन करते हुए त्यौहार मनाया जाएंगा उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन गंगा नदी में नहीं किया जाएगा। चरवा थाना परिसर में थानाध्यक्ष अरविंद त्रिवेदी के नेतृत्व में क्षेत्र के ग्राम प्रधानो के साथ रविवार को बैठक कर नवरात्रि, रामलीला और दशहरा के पर्व पर कोविड -19 का पालन करते हुए त्यौहार मनाए जाने की बात कही गई है इस मौके पर थानेदार ने कहा कि शासन ने डी० जे० पर प्रतिबंध लगाया है इसका कड़ाई से पालन हो उन्होंने कहा कि मूर्ति विसर्जन गंगा नदी व अन्य नदियों में न किया जाये, पीस कमेटी की मीटिंग क्षेत्र के ग्राम प्रधान, प्रधान प्रतिनिधि व साभ्रान्त लोगों के बीच सम्पन्न हुई।

भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के काजू मंडल अध्यक्ष बने महफूज अहमद

अखंड भारत संदेश

इमामगंज कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी ने कौशाम्बी के तीनो विधानसभा से 15 नवनियुक्त अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष की सूची जारी की है।अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला महामंत्री मो० अकरम ने अपने मूरतगंज स्थित कार्यालय में नव नियुक्त अल्पसंख्यक मंडल अध्यक्ष मूरतगंज इशितयाक अहमद व काजू मंडल अध्यक्ष महफूज अहमद को फूल माला पहना कर और मिठाई खिला कर सम्मानित और पार्टी में स्वागत किया। चायल तहसील के मूरतगंज ब्लाक के ग्राम सभा अशरफपुर के महफूज अहमद को भारतीय जनता पार्टी के प्रति निष्ठा व समर्पण को देखते हुए पार्टी

अध्यक्ष को फूल माला पहनकर स्वागत करते पार्टी नेता

पदाधिकारियों ने महफूज अहमद को भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा काजू का मंडल अध्यक्ष बनाया है जैसे ही महफूज अहमद के समर्थकों को उनके मनोनयन की जानकारी हुई लोगों में खुशी व्याप्त हो गई और लोगों ने महफूज अहमद को बधाई दी।भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष बनाए जाने पर महफूज अहमद ने कहा कि हमेशा उनकी निष्ठा भारतीय जनता पार्टी में रही है और वह पार्टी को मजबूत करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

सांसद ने सूचना विभाग द्वारा लगायी गयी विकास प्रदर्शनी का किया शुभारम्भ

कौशाम्बी। सांसद विनोद सोनकर ने प्रदेश सरकार के साढ़े चार वर्ष पूर्ण होने पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग द्वारा डायट परिसर में लगायी गयी तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारम्भ एवं अवलोकन किया तथा विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी विभागीय योजनाओं से संबंधित स्टालों का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर अध्यक्षा जिला पंचायत श्रीमती कल्पना सोनकर, विधायक मंझनपुर लाल बहादुर एवं विधायक सिराथू शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल सहित अपर जिला धिकारी जयचन्द्र पाण्डेय अतिरिक्त जिला धिकारी रवि कुमार जायसवाल उपस्थित रहे।

कशिया ग्राम पंचायत में मेले का किया गया आयोजन

जनता की मदद के लिए सभी विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी रहे मौजूद

अखंड भारत संदेश

कोखराज कौशाम्बी। आम जनता को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले उसे किसी प्रकार की दिक्कतों से न जूझना पड़े इसी उद्देश्य से सिराथू तहसील के कशिया पश्चिम ग्राम पंचायत में सरकार के निर्देश पर विभागीय अधिकारियों द्वारा मेला आयोजित किया गया मेला में जनता की मदद के लिए जिले के विभिन्न विभाग के अधिकारियों द्वारा कैंप लगाया गया है कैम्प के माध्यम से ग्राम प्रधान पंचम लाल दिवाकर आम जनता को सहूलियत देने के उद्देश्य से योजनाओं के आवेदन

मेले में उपस्थित ग्रामीण

जमा कराए गए हैं मेला कैम्प में, वृद्धा पेंशन, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन,गरीब कल्याण दिवस खादी ग्रामोद्योग रोजगार अधिकारी,कृषि बिभाग डूडा बिभाग जनता की समस्या का निराकरण करते दिखाई पड़े हैं जिला विकास अधिकारी विजयकुमार खादी ग्रामोद्योग अधिकारी महेंद्र मिश्रा,जिला परियोजना अधिकारी जनार्दन सिंह कृषि विभाग शिवशंकर यादव, व अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

नम आंखों से करारी कोतवाल को दी गयी भावभीनी विदाई

अखंड भारत संदेश

करारी, कौशाम्बी। करारी कोतवाली में करीब डेढ़ साल से रहे प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार को सोमवार को भावभीनी विदाई दी गई। गाजे बाजे के साथ विदाई समारोह के अवसर पर पुलिस स्टाफ के अलावा आस पास क्षेत्र के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने कोतवाल के कार्यों की सराहना की करारी कोतवाली में करीब डेढ़ साल पूर्व अशोक कुमार को बतौर प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया था। अशोक कुमार ने चार्ज लेते ही अपराधियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। अपने मृदुल व्यवहार से उन्होंने क्षेत्र की जनता का दिल जीत लिया था। जिले में तीन साल की अवधि पूरी होने पर उनका स्थानान्तरण प्रयागराज कर दिया गया। पुलिस अधीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा ने रवानगी की तिथि ५ अक्टूबर निर्धारित कर दिया था। प्रयागराज से आए तेजतर्रार उपनिरीक्षक प्रिंस दीक्षित को करारी कोतवाली की कमान सौंपी गई। रविवार को प्रिंस दीक्षित ने चार्ज ग्रहण भी कर लिया। सोमवार को अशोक कुमार ने करारी थाना से रवानगी कर ली। इस बात की जानकारी जब क्षेत्र के लोगों को हुई तो सैकड़ों लोग फूल माला व ढोल तांसे के साथ करारी थाना पहुंच गए। घोड़े में बैठाकर इंस्पेक्टर अशोक कुमार की विदाई की गई। इस मौके पर एसआई जमालउद्दीन खां, एसआई राजेन्द्र वर्मा, अब्दुलवारी खां, मुकेश यादव, सभासद इमरान कुरैशी, महताब अंसारी, प्रधान बरई बंधवा रामू सरोज, नकुल गौतम आदि मौजूद रहे।

सड़क पर खड़े वाहन चालकों को पुलिस देती है संरक्षण

भवन तोड़कर किया गया सड़क चौड़ीकरण लेकिन नहीं हट सका सड़क का जाम

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। जनपद मुख्यालय मंझनपुर में अतिक्रमण के नाम पर तीन बार नगर वासियों के भवन को लगाकर प्रशासन द्वारा तोड़ा जा चुका है लेकिन बार-बार नगर वासियों के भवन तोड़े जाने के बाद भी सड़क का अतिक्रमण नहीं हट सका है जिससे मंझनपुर में जाम की स्थिति बनी है।

एक तरफ नगर के गरीब कमजोर लोगों के मकान को तोड़कर प्रशासन सड़क चौड़ीकरण कर जाम हटाने की बात कर रहा है तो दूसरी तरफ मंझनपुर कस्बे के चारों रोड पर बीच सड़क पर पूरे दिन विक्रम टेंपो टैक्सी ई-रिक्शा मिनी बस आदि वाहन को खड़ा कर चालक सवारी भरते हैं पुलिस द्वारा पकड़े गए वाहन भी पूरे दिन डामर सड़क पर खड़े कर दिए जाते हैं यह कह लिया जाए कि मंझनपुर कस्बे की सड़क पुलिसिया वसूली के चलते वाहनों की पार्किंग स्थल बन चुकी है दुकानों के सामने सड़क और उनकी पटरियों पर वाहनों के खड़े कर सवारियां भरने से सड़कों पर जाम लग जाता है। दुकान में जाने वाले ग्राहकों के वाहनों को पटारियो में खड़े करने की जगह नहीं मिल पाती है बीच सड़क पर सवारी भरने से मंझनपुर कस्बा में पूरे दिन जाम लगा रहता है वाहन चालकों को सड़क पर वाहन खड़े कर सवारी भरने से रोकने की हिम्मत किसी की नहीं है स्थानीय पुलिस यातायात पुलिस होमगार्ड के जवान अवैध वाहनों से प्रत्येक महीने लाखों रुपए की वसूली करते हैं जिससे सड़क पर वाहन खड़े करने वालों को पुलिस का संरक्षण प्राप्त है मंझनपुर के औसा रोड नारा रोड सिराथू रोड और तहसील रोड में पूरे दिन सैकड़ों वाहन सड़क पर खड़े रहते हैं मंझनपुर चौराहे में दर्जनों होमगार्ड और सिपाही की ड्यूटी यातायात व्यवस्था के लिए लगाई गई है लेकिन सड़क पर वाहन खड़ा करके सवारी भरने वाले वाहन चालकों पर पुलिस का डंडा नहीं चल पाता है जबकि सड़क पर वाहन खड़ा करना अपराध है और सरकार ने इस पर जुमार्ने का नियम बना रखा है कोरोना के समय से वाहनों की जांच पड़ताल पुलिस ने तेज कर दी है लेकिन मंझनपुर कस्बे के चारों तरफ की सड़क में प्रतिदिन खड़े सैकड़ों वाहन पर वर्षो बीत जाने के बाद भी पुलिस ने कार्यवाही नहीं की है जिससे पुलिस और अवैध वाहन चालकों के रिश्ते की चर्चा आम जनता के बीच हो रही है मंगलवार को फिर मंझनपुर कस्बे के तहसील रोड पर ई रिक्शा विक्रम को बीच सड़क और पटरियों पर खड़े कर सवारी भरने को लेकर स्थानीय व्यापारियों और वाहन चालकों से विवाद हो गया वाहन चालक दुकानों के सामने वाहनों को आड़ी तिरछी खड़े-खड़े सवारी भरते हैं जिससे दुकानों का व्यवसाय प्रभावित होता है एक तरफ इन्हें पुलिस का संरक्षण दूसरी तक संगठन के बलबूते पर बात-बात पर वाहन चालक लड़ाई झगड़ा पर आमादा होते हैं आखिर पुलिसिया वसूली के दम पर चलने वाले इन अवैध वाहनों पर कब पुलिस अधिकारी कठोर कार्यवाही कर अवैध वाहन चालको को कानून का पाठ पढ़ाएंगे इस बात का इंतजार नगर की जनता कर रही है।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर कर्मचारियों ने दिया ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

कल्यानपुर कौशांबी। संयुक्त राज्य कर्मचारी संघ के बैनर तले तमाम कर्मचारी मंगलवार को जनपद मुख्यालय मंझनपुर में धरना प्रदर्शन नारेबाजी सभा कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की है तमाम शिक्षक और कर्मचारी धरना प्रदर्शन नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे हैं और कलेक्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम पुरानी पेंशन बहाली सहित विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है। जनपद मुख्यालय के डायट मैदान में संयुक्त राज्य कर्मचारी संघ के पदाधिकारी एकत्रित हुए और हजारों कर्मचारियों ने डायट मैदान से बाइक रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए जिला अस्पताल ओसा चौराहा समदा चौराहा होते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे और पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे संयुक्त

हजारों कर्मचारियों ने डायट मैदान से बाइक रैली निकालकर जिला अस्पताल ओसा चौराहा समदा चौराहा होते हुए पहुँचे कलेक्ट्रेट

राज्य कर्मचारी संघ के संयोजक मोतीलाल सिंह ने बताया कि सरकार ने पुरानी पेंशन व्यवस्था को बंद कर दिया है उन्होंने कहा कि पेंशन व्यवस्था को बंद किए जाने से कर्मचारियों के रिटायरमेंट के बाद तमाम दिक्कतें आती हैं इसलिए कर्मचारियों की पुरानी पेंशन व्यवस्था तत्काल बहाल की जाए उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल नहीं किया गया तो संयुक्त राज्य कर्मचारी संघ आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए मजबूर होगा इस मौके पर शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह नथा पटेल राममिलन शुक्ला प्रवीण शुक्ल अनिल कुमार यादव धीरेंद्र सिंह अशोक सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

चीन को चुनौती

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिए बड़ी खूबसूरती से वैश्विक मामलों पर बोलने के चीन के नैतिक अधिकार पर सवाल खड़ा कर दिया। ध्यान रहे, नए अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के लिहाज से चीन का वर्चस्ववादी और आक्रामक रुख ही सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 76वें सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जो भाषण दिया, वह ऐतिहासिक सिर्फ इसलिए नहीं है कि उसमें अफगानिस्तान, आतंकवाद और कोरोना जैसी चुनौतियों पर बड़ी स्पष्टता और उतनी ही गंभीरता से भारत का पक्ष रखा गया है। प्रधानमंत्री मोदी के भाषण की अहमियत इस बात में है कि छोटे मसलों में उलझने के बजाय इसमें बदलते अंतरराष्ट्रीय समीकरणों से उभरी चुनौतियों को रेखांकित करने की कोशिश की गई और इससे भी बड़ी बात यह कि इन चुनौतियों के पीछे छिपे अवसर को पहचानते हुए उसका उपयुक्त इस्तेमाल करने की दूरदर्शिता दिखाई गई है। यह अकारण नहीं है कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में भारत को लोकतंत्र की जननी के रूप में चित्रित करते हुए वैश्विक बिरादरी को याद दिलाया कि हमारे देश में लोकतंत्र की हजारों वर्षों की परंपरा है।

विविधता हमारे समाज की पारंपरिक विशिष्टता रही है। कामकाज में पारदर्शिता हमारी स्वाभाविक शैली है। गौर करने की बात यह है कि ये कुछ ऐसे बिंदु हैं, जहां चीन मुकाबले में कहीं खड़ा ही नहीं हो सकता। न तो वहां लोकतंत्र है और ना ही पारदर्शिता। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में ठीक ही कोरोना की उत्पत्ति और वर्ल्ड बैंक के ईज ऑफ डूइंग बिजनेस इंडेक्स के कैंसिलेशन का मुद्दा उठाया। वैश्विक बिरादरी इन दोनों सवालों पर चीनी रुख में पारदर्शिता की कमी से जूझ रही है। दुनिया देख सकती है कि एक तरफ भारत है, जो कोरोना की चुनौती से खुद जूझते हुए भी दूसरे देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने की जद्दोजहद में जुटा हुआ है, दूसरी तरफ चीन है जो कोरोना की उत्पत्ति की गुत्थी को सुलझाने तक में सहयोग देने को तैयार नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण के जरिए बड़ी खूबसूरती से वैश्विक मामलों पर बोलने के चीन के नैतिक अधिकार पर सवाल खड़ा कर दिया। ध्यान रहे, नए अंतरराष्ट्रीय समीकरणों के लिहाज से चीन का वर्चस्ववादी और आक्रामक रुख ही सबसे बड़ा खतरा माना जा रहा है। ऐसे में संयुक्त राष्ट्र के मंच से प्रधानमंत्री का यह दर्शाना महत्वपूर्ण है कि चीन का रुख न केवल अन्य देशों की भौगोलिक सीमाओं और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में स्वतंत्र व्यापारिक गतिविधियों के लिए खतरा बनता जा रहा है बल्कि यह आधुनिकता और प्रगतिशील मूल्यों के भी खिलाफ है। ऐसे में चीन के साथ सहयोग का दायरा बढ़ाने की कोई भी कोशिश उदार वैश्विक मूल्यों को खतरे में डालेगी। इसी बिंदु पर भारत के लिए संभावनाओं के नए द्वार भी खुलते हैं। निवेश के अवसरों से भरपूर एक लोकतांत्रिक और पारदर्शितापूर्ण समाज के तौर पर भारत बेहतर विकल्प के रूप में दुनिया के सामने मौजूद है। ग्लोबल सप्लाई चेन में चीन की जगह लेने को भारत तैयार है। भारत और वैश्विक समुदाय का यह साथ न केवल भारत के विकास की दृष्टि से बल्कि सद्भावपूर्ण, लोकतांत्रिक और उदार दुनिया सुनिश्चित करने के लिहाज से भी उपयोगी होगा।

देशभक्ति पाठ्यक्रम का राजनैतिक दांव

सर्वमित्रा सुरजन

देश में अब जो राजनैतिक माहौल बन चुका है और आम लोगों को जिस उन्मादी मानसिकता के मुताबिक ढाला जा चुका है, उसमें देशभक्ति एक ऐसा औजार है, जो सत्ता हासिल करने में कारगर साबित हो सकती है। सत्ता के मर्ज के लिए देशभक्ति ऐसा रामबाण है, जिसे भाजपा को भी चुपचाप खाना ही पड़ेगा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राष्ट्रवाद की राजनीति में अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी भाजपा को पछाड़ते हुए एक ऊंची छलांग लगाई है। ना, ना ये वो ऊंची छलांग नहीं है, जो असम में पुलिस की गोली से मारे गए एक किसान के ऊपर से एक फोटोग्राफर ने लगाई थी। ऐसी ऊंची छलांगें तो अक्सर आपके भीतर पैठी नफरत का सच सरेराह खोल कर रख देती हैं। भाजपा को इस सच के खुलने से कोई परेशानी नहीं होती। वह तो शुरु से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर चलती आई है। इसलिए उसे हम बहुसंख्यक और वो अल्पसंख्यक वाला फार्मूला खूब जंचता है। अरविंद केजरीवाल अभी राजनीति के उस मुकाम पर नहीं पहुंचे हैं, जहां वे खुलेआम हम और वो वाला भेद दिखा सकें। इसलिए वे अब तक छोटे-छोटे कदम उठा रहे थे। जैसे मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना चलाई, जिसके तहत राजधानी के बुजुर्गों को तीर्थस्थलों का भ्रमण कराया जाता है। इस यात्रा का आयोजन तीर्थयात्रा विकास समिति करती है। दिल्ली सरकार का कहना है कि अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद दिल्ली के बुजुर्गों को राम लला के दर्शन कराएगी। इस बार गणेश चतुर्थी के मौके पर दिल्ली में सिगन्चर ब्रिज के पास यमुना के किनारे सरकारी खर्च पर भव्य गणेशोत्सव मनाया गया। जिसमें केजरीवाल परिवार के साथ-साथ उनकी सरकार के कई सदस्य मौजूद रहे। इस भव्य कार्यक्रम का टीवी पर प्रसारण किया गया ताकि दिल्लीवासी एक धार्मिक आयोजन में घर बैठे शामिल हो जाएं।

गायक शंकर महादेवन और सुरेश वाडेकर ने इस कार्यक्रम में प्रस्तुति दी। इस मौके पर लोकमान्य तिलक और उनके गणेशोत्सव को याद करते हुए केजरीवालजी ने बच्चों के लिए संदेश दिया कि गणेशोत्सव के माध्यम से उनमें आध्यात्मिकता और देशभक्ति के मिश्रण को विकसित करना चाहिए। भाजपा शायद यहां भी अरविंद केजरीवाल के आगे चूक गई। भाजपा इधर गांधीजी, सरदार पटेल, नेताजी बोस पर ही अपना अधिकार जमाने में लगी थी कि अरविंद केजरीवाल ने धीरे से तिलक पर कब्जा करने की चाल चल दी। भाजपा के कुछ लोग गीता को राष्ट्रीय ग्रंथ घोषित करवाना चाहते हैं, लेकिन इसमें भी अरविंद केजरीवाल ने अपनी हिस्सेदारी बतला दी। जब प्रधानमंत्री मोदी ने पहली कोरोना लहर में लॉकडाउन घोषित किया था, उस वक्त दिल्ली में बसे हजारों प्रवासियों ने पैदल ही अपने घर का रुख किया था। लोगों के पास एक वक्त के खाने का, रहने का इंतजाम नहीं था और तब दिल्ली के मुख्यमंत्री लोगों से अपील कर रहे थे कि जो जहां है वहीं रहे, मैं सबके रहने-खाने का इंतजाम करूंगा। हालांकि इस अपील के बावजूद इस देश ने विभाजन जैसा त्रासद नजारा देखा, जब बेसहारा लोग भरी गर्मी में तपती सड़कों पर बिना किसी सुविधा, संसाधन के निकल पड़े। जाहिर है लोगों में कहीं न कहीं अपनी निर्वाचित सरकार के प्रति अविश्वास की भावना रही होगी। बहरहाल, अरविंद केजरीवाल ने उस वक्त एक और सलाह दी थी कि लॉकडाउन के 18 दिन बचे हैं। ऐसे में अगर आप चाहें तो गीता के 18 अध्याय का पाठ करें। मैं और मेरी पतनी ने आज से यह शुरू किया है। तीथर्यात्रा, गीता पाठ, गणेशोत्सव, खुद को राम और हनुमान का भक्त बताने के बाद अब अरविंद केजरीवाल ने धर्म और राष्ट्रवाद का एक बड़ा राजनैतिक दांव चला है। मंगलवार को शहीदे-आजम भगत सिंह की जयंती पर उन्होंने दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम से स्कूलों में देशभक्ति पाठ्यक्रम शुरु करने का ऐलान किया। हालांकि इससे एक दिन पहले 27 सितंबर को जब किसानों ने भारत बंद किया था, तो उस दिन केजरीवाल जी ने किसानों का साथ देते हुए ट्वीट किया था कि ये दुख की बात है कि किसानों को भगत सिंह जी के जन्मदिन पर भारत बंद का आह्वान करना पड़ रहा है। पता नहीं दो-दो दिन भगत सिंह की जयंती बताने की भूल का अहसास अरविंद केजरीवाल को हुआ है या नहीं। लेकिन उन्हें इस बात का अहसास ही नहीं, पूरा यकीन है कि देश में अब जो राजनैतिक माहौल बन चुका है और आम लोगों को जिस उन्मादी मानसिकता के मुताबिक ढाला जा चुका है, उसमें देशभक्ति एक ऐसा औजार है, जो सत्ता हासिल करने में कारगर साबित हो सकती है। सत्ता के मर्ज के लिए देशभक्ति ऐसा रामबाण है, जिसे भाजपा को भी चुपचाप खाना ही पड़ेगा। देशभक्ति पाठ्यक्रम नर्सरी से कक्षा 12 तक लागू होगा। इसकी कोई अलग पाठ्यपुस्तक नहीं होगी। सहायक छोटी पुस्तिका होंगी जो तीन समूहों के लिए डिजाइन की गई हैं- नर्सरी से पांचवी कक्षा तक, छठी से आठवीं कक्षा तक और नौवीं से 12वीं कक्षा तक। कक्षा 9 से 12 के पाठ्यक्रम को छह घटकों में बांटा गया है। इसमें देशभक्ति ध्यान के तहत रोजाना बच्चों को कुछ गतिविधियां करनी होंगी। देशभक्ति डायरी होगी, जिसमें बच्चा देशभक्ति पाठ्यक्रम से संबंधित कराए गए कामों से अपने अनुभवों को उसमें लिखेगा। उसे गृहकार्य भी दिया जाएगा। समूह चर्चा और कक्षा गतिविधि होगी, जिसमें बच्चा किसी भी माध्यम से अपने विचार को सबके सामने रखेगा। वहीं छठवीं से आठवीं के बच्चों के लिए समूह और क्लास गतिविधि के बजाय समापन गतिविधि और फ्लैग डे रखा गया है। इसमें बच्चे खुद से तिरंगा बनाएंगे इसके साथ ही चर्चा के दौरान किसी विषय पर अपनी बात रखेंगे।

देशभक्ति पाठ्यक्रम की घोषणा करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पिछले 74 सालों में हमें अपने स्कूलों में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित पढ़ाया गया, लेकिन बच्चों को देशभक्ति नहीं पढ़ाई गई। देशभक्ति हम सभी के अंदर है, लेकिन इसे प्रेरित करने की जरूरत है। दिल्ली का हर बच्चा सच्चे अर्थों में देशभक्त होगा। देशभक्ति पाठ्यक्रम देश के विकास में सहायक सिद्ध होगा और भारत को तेजी से आगे ले जाएगा। बच्चों में देशभक्ति का जज्बा पैदा करने के लिए पाठ्यक्रम के जरिए हर साल स्वतंत्रता सेनानी से लेकर सामाजिक आंदोलनों से जुड़े लोगों के बारे में पढ़ाया जाएगा। इससे बच्चों को देशभक्ति के मायने समझाने के साथ उनसे प्रेरणा मिलेगी। अरविंद केजरीवाल की यह चिंता है कि देशभक्त पेशेवर विकसित नहीं हो रहे हैं। इसलिए देशभक्ति पाठ्यक्रम के जरिए देशभक्त इंजीनियर, देशभक्त डॉक्टर, देशभक्त वकील बनाए जाएंगे। वहीं उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम भगत सिंह, हेमू कलानी, झांसी की रानी और तात्या टोपे की लड़ाइयों के बारे में बात करते हैं, लेकिन हम कभी इस बात पर चर्चा नहीं करते कि ऐसा क्या हुआ कि उन्हें लड़ाई लड़नी पड़ी। उनके मुताबिक देशभक्ति पाठ्यक्रम इस कमी को पाटेगा। मनीष सिसोदिया प्रबुद्ध इंसान हैं, क्या उन्हें नहीं पता कि इतिहास की लड़ाइयों का कारण और विश्लेषण इतिहास के अध्ययन से ही संभव है। अगर बच्चों को आजादी के नायकों या उससे पहले मध्ययुगीन लड़ाइयों के बारे में बताना है, तो इतिहास से उन्हें परिचित कराना होगा। वो इतिहास जिसमें भारत के भारत बनने की कहानी दर्ज है। जैसे किसी बच्चे को मां-बाप, अपने परिजनों से प्यार करना सिखाया नहीं जाता, वह अपने आसपास के माहौल को देखते हुए ही सब सीख जाता है। उसी तरह देश से प्यार करना भी किसी पाठ्यक्रम से सिखाया नहीं जा सकता। बच्चे अपने विद्यालय के माहौल, शिक्षकों के व्यवहार, नेताओं के आचरण, अधिकारियों के बर्ताव को बड़ी बारीकी से देखते हैं, आत्मसात करते हैं और फिर वही चीज उनके व्यवहार में झलकती है। और इस देशभक्ति के पाठ्यक्रम में जो सामग्री तैयार की जाएगी, उसे तैयार करने वाले कौन लोग होंगे, उनकी ईमानदारी, एकनिष्ठता और देशप्रेम के क्या सबूत हैं। क्या दिल्ली सरकार में तमाम लोग इन गुणों से संपनन हैं। क्या प्रशासन में सारी बेईमानी खत्म हो गई है, क्या मंत्रियों में सदाचार कूट-कूट कर भर गया है। क्या अरविंद केजरीवाल ने देशभक्ति किसी पाठ्यक्रम से हासिल की, या जिस आईआईटी में उन्होंने पढ़ाई की, वहां उन्हें इस किस्म का कोई ज्ञान दिया गया। क्या जिस अनन आंदोलन से उन्होंने अपार लोकप्रियता हासिल की और फिर सत्तासुख प्राप्त किया, उसमें सारे लोग देशभक्त थे और क्या यह उस देशभक्ति का ही कमाल है कि आज भारत एक ऐसे दौर में पहुंच गया है, जहां मॉब लिंचिंग, टुकड़े-टुकड़े गैंग, पाकिस्तान चले जाओ, जैसी शब्दावली राजनीति की आम भाषा बन चुकी है। क्या चुनाव जीतने के लिए जाति, धर्म के समीकरण बिठाना, घोषणापत्र में लुभावने वादे करना, विरोधियों की आलोचना करना, ये सब देशभक्ति के तहत आएंगे, अगर नहीं तो क्या केजरीवाल जी आगामी चुनाव में इन पैंतरों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। संघ की शाखाओं में भी उनकी विचारधारा के हिसाब से राष्ट्रप्रेम ही सिखाया जाता है। दिल्ली के स्कूलों की देशभक्ति और इस राष्ट्रप्रेम में क्या अंतर रहेगा। इतिहास, राजनीति शास्त्र और उसमें भी संविधान के पाठ, इनकी सही व्याख्या से विद्याथिर्यों को भारत के बहुलतावादी, उदार, लोकतांत्रिक चरित्र से परिचित कराया जा सकता है। इन्हें ईमानदारी से पढ़ाया जाए तो देश की सही समझ अपने आप आ जाएगी और यही सच्ची देशभक्ति होगी।

हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने में बाधक तत्त्व और उनका समाधान

डॉ. सुधा कुमारी

हिन्दी को राजभाषा की गद्दी पर बिठाकर भी हम उसे राष्ट्रभाषा या लोक- संपर्क की भाषा बनाने में आजतक सक्षम नहीं हो पाए हैं। हिन्दी-बहुल राज्यों को छोड़ बाकी सभी जगहों में जहाँ प्रांतीय भाषाएँ बोली जाती हैं, अंग्रेजी ही राजकार्य में सहयोगी भाषा है। स्वतंत्रता-संग्राम के समय हिन्दी केवल नेहरू, गाँधी, तिलक, सुभाष आदि की नहीं, आम आदमी की भाषा थी। फिर भी आज तक इसकी अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई। आज भी अंग्रेजीदां लोग श्रेष्ठता और हिंदीभाषी लोग सामान्यतया हीनता की ग्रंथि से ग्रस्त प्रतीत होते है। इस सच्चाई से कतराया नहीं जा सकता कि 'कॉन्वेंट प्रॉडक्ट' और 'हिन्दी मीडियम' के बीच एक मनोवैज्ञानिक दूरी है। और ऐसे में हिंदी की वर्षगाँठ पर जब हिन्दी लहर शुरू होती है तो लगता है कि हिन्दी-प्रेम विश्वासजनित प्रेम नहीं, लबादे की तरह ओढ़ा हुआ दिखावा मात्र है, जिसे मौका मिलते ही हम झटक देना चाहते है। दरअसल, इसका एक बड़ा कारण है- हिन्दी का संस्कृत-भरा तत्सम रूप जो सिर्फ भाषाई पंडितों को रास आता है, आम आदमी को नहीं। वह साहित्य और लेखन की भाषा है- नदी किनारे की मिट्टी से दूर बीच धार के स्वच्छ शुद्ध जल की तरह। किन्तु इस्तेमाल तो तट के पानी का ही किया जाता है। इसे हिंदी का तद्भव रूप कहना उचित होगा जिसमें उर्दू, अरबी, फारसी, अंग्रेजी और तमाम भाषाओं के शब्द मिले हुए हैं। यही हिन्दी आम आदमी की बातचीत की भाषा रही है। मगर हिन्दी का एक शुद्धिकरण अभियान चल रहा है, जारी की जा रही सरकारी विज्ञप्तियों, कुछ कानूनों के हिंदी अनुवाद और आदेशों की भाषा में संस्कृत का अपूर्व पांडित्य और विकट शब्दचातुर्य दिखता है, हिंदी में विचित्र काट-छाँट कर तोड़- मरोड़कर, पेंचदार भाषा में अजीब रूप में पेश किया जा रहा है। राष्ट्रभाषा के विकास के नाम पर अपनी हिन्दी देवभाषा सोपान (सीढ़ियाँ) चढ़ती दिखाई देती है जो हिन्दी की लोकप्रियता के लिये निश्चित रूप से खतरनाक सिद्ध होगा। अगर इसे कठिन क्लिष्ट रूप में लोगों के समक्ष परोसा जायेगा तो यह अरूचिकर प्रतीत होगा ही। जब भी हिंदी के विकास के नाम पर संस्कृत के कठिन दुरूह शब्दों को हिन्दी के नाम पर परोसा जाएगा, अहिन्दी भाषी लोगों द्वारा हिंदी का विरोध होगा। अतः आवश्यक है कि हिन्दी को लोकप्रिय बनाने के क्रम में हम हिंदी को सरल और सुगम रूप में प्रस्तुत और प्रचारित करें, संस्कृत का कम- से- कम प्रयोग करें। जब राष्ट्रभाषा के विकास की बात करें तो हिंदी का विकास करें, देवभाषा का नहीं। हिन्दी राजभाषा है, सहज स्वीकार्य है। किन्तु संस्कृत राजभाषा नहीं है। वह देवभाषा के रूप में ऐच्छिक भाषा ही रहनी चाहिये। अतः नीति निर्धारकों को पहले यह निणर्य लेना होगा कि राजभाषा कौन है- हिंदी या संस्कृत राष्ट्रभाषा किसे बनाना है - हिंदी को या संस्कृत को संस्कृत के पंडितों को यह नापसंद होगा मगर हिंदी को राष्ट्रभाषा की जगह दिलाने के लिए यह नियंत्रण अति आवश्यक है। ध्यान रखें कि देवभाषा संस्कृत हिंदी यानी राष्ट्रभाषा के ऊपर हावी न हो जाए । हिन्दी तो सहज ग्रहण करने वाली सुगम भाषा है। हिन्दी की प्रतिष्ठा जननी की भाँति है। हिन्दी को सबल बनाना, उसे सहज गति से विकसित होने देना है, हीनता की ग्रंथि से मुक्ति पाकर उसे प्रोत्साहन देना है।

हिंदी के विकास में बाधक दूसरा बड़ा कारण है- नेता तथा उच्च वर्ग की दोहरी नीति। कॉन्वेंट और अंग्रेजी को पानी पी- पीकर कोसनेवाला स्थानीय नेता अपने बच्चों को अंग्रेजी में तुतलाते देखकर उसकी बलैया लेता है, जुगाली करता हुआ 'एक्सीडेंट' की जगह 'स्टूडेंट', 'सॉरी' की जगह 'थैंक्यू' और 'गुड' की जगह 'माई गुडनेस' कहकर अपनी स्थिति हास्यास्पद बना लेता है। थोड़ी चर्चा उच्च वर्ग की भी उचित होगी। अंग्रेजी का पोषक यही वर्ग है। नेता तो जनता के प्रति उत्तरदायी होने के कारण कम से कम हिन्दी प्रेम की बात करते हैं। पर इस वर्ग के समक्ष ऐसी कोई समस्या नहीं होती। हश्र- ये अंग्रेजी से चिपके रहते है। उनके बच्चे ए.बी.सी.डी. पहले सीखते हैं, क, ख, ग, बाद में। नर्सरी राइम पहले, कविता पीछे। डर लगता है कि भारतीय बच्चे को कहीं हिन्दी का रोग न लग जाय। इसीलिए बचपन से ही अंग्रेजी का टीका लगा दिया जाता है। बचपन से प्रौढ़ अवस्था तक वे अंग्रेजी के ही पिछलग्गू बने रहते है। आम जनता से संपर्क का अभाव, नगरीय सभ्यता में ही सदा पलते रहने के कारण वे जमीन से जुड़ नहीं पाते। जनता तो अपने नेता का अनुकरण करती है। नेता तथा उच्च वर्ग सच्चे मन से हिंदी की सेवा करे तो जनता भी उनका अनुकरण करेगी। राष्ट्रभाषा का तीसरा बाधक तत्व है- हिन्दी में तकनीकी पाठ्य- पुस्तकों का अभाव। जहाँ एक और मध्य युगीन मुगलिया और इस्लामिक शासन के प्रभाव से हमारे अदालती दस्तावेज, जमीन के कागज और सिनेमा के गाने उर्दू- फ़ारसी शब्दों से भरे हुए हैं वहीं दूसरी और अंग्रेजी शासन के प्रभाव से हमारा संविधान, सभी तरह के क़ानून और उच्च शिक्षा हेतु तकनीकी विषयों की पाठ्य-पुस्तकें अंग्रेजी में ही उपलब्ध हैं। तकनीकी विषयों जैसे चिकित्सा, अभियंत्रण, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, खाता- बही लेखा, प्रबंधन, आदि - सब की पढ़ाई अंग्रेजी में ही होती है। मेडिकल की पढ़ाई के बाद शपथ से लेकर ऑपरेशन थिएटर का पूरा परिवेश- दवा, सिरिंज से लेकर ऑपरेशन की प्रक्रिया तक- सबकुछ अंग्रेजी के शब्दों से ही संपनन होता है। विचार का विषय यह भी है कि अदालतों के अनगिनत पृष्ठों वाले विद्वतापूर्ण निणर्य तो अंग्रेजी में ही होते हैं जिनमें ग्रीक- लैटिन के ढेर सारे शब्द हीरे-मोती जैसे जड़े होते हैं। आजकल उच्च न्यायालयों में 1000 से अधिक पृष्ठों के अंग्रेजी 'काउंटर- एफिडेविट' भी जनता को बनाने पड़ रहे हैं। तो क्या हम अदालतों, अस्पतालों तकनीकी कॉलेजों में गीता या रामायण जैसी संस्कृत की भाषा का प्रयोग करेंगे। कहीं 'ब्रेन-ड्रेन' या प्रतिभा का पलायन और बढ़ तो नहीं जाएगा हिन्दी का विकास करने के लिये इन सभी मुद्दों पर गंभीर विचार और प्रयास की आवश्यकता है। अंग्रेजी आज न केवल एक समृद्ध और परिष्कृत अंतरराष्ट्रीय भाषा है बल्कि उच्च कोटि के रोजगार की भी भाषा है। सामान्य जन को ज्ञान-विज्ञान की झलक गूगल और यू-ट्यूब आदि द्वारा भी अंग्रेजी की खिड़की से ही मिल रही है। आवश्यक है कि तकनीकी विषयों जैसे चिकित्सा, अभियंत्रण, अर्थशास्त्र, वाणिज्य, प्रबंधन जिनकी पुस्तकें हिन्दी में उपलब्ध नहीं है और जिनकी नितांत जरुरत है, उनका सरल हिंदी अनुवाद करवाएँ ताकि भारतीयों को अपनी भाषा में उच्च शिक्षा दी जा सके।

किसान आंदोलनः धरती माता के यहां रिश्वत नहीं चल सकती !

चिमन्य मिश्रा

''किसान वास्तविक धन का उत्पादक है, क्योंकि वह मिट्टी को गेहूँ, चावल, कपास के रूप में परिणत करता है। दो घंटे रात रहते खेतों में पहुंचता है। जेठ की तपती दुपहरी हो या माघ-पूस के सबेरे की हड्डी छेदने वाली सर्दी, वह हल जोतता है, ढेले फोड़ता है, उसका बदन पसीने से तरबतर हो जाता है, उसके एक हाथ में सात-सात घट्टे पड़ जाते हैं फिर भी वह मशक्कत करता रहता है। क्योंकि उसे मालूम है कि धरती माता के यहां रिश्वत नहीं चल सकती। वह स्तुति प्रार्थना के द्वारा अपने हृदय को नहीं खोल सकती। राहुल सांकृत्यापन किसान आंदोलन ने संघर्ष के नौ माह पूरे कर लिए। इसलिए यह सवाल उठना लाज़मी है कि इससे क्या हासिल किया और क्या खोया किसान आन्दोलन खोने और पाने से आगे की स्थिति पर पहुंच गया है। यह भारत को पुनः लोकतंत्र की ओर मोड़नेवाला उपक्रम बन गया है। इस आंदोलन ने मूलतः दो बातों को पुर्नस्थापित किया है। पहली यह कि भारतीय संविधान का पूर्ण क्षरण नहीं हुआ है और दूसरी अधिनायकवादी लोकतंत्र को जवाब दिया जा सकता है, उसका विकल्प अभी भी मौजूद है। इस आंदोलन के प्रति सरकार/सरकारों की बेरुखी भी यह दर्शा रही है कि शासक वर्ग किसानों की सच्ची निर्मलता से आँख मिला पाने में असमर्थ है। साथ ही सरकार को अपने को सही सिद्ध करवाना कमोवेश असंभव होता जा रहा है। इसलिए आम जनता का ध्यान लगातार बांटा जा रहा है। नवीनतम उदाहरण है कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन 17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक पूरे देश में समारोहित किया जाएगा। यह ऐसे समय हो रहा है, जबकि कोरोना महामारी अभी थमी नहीं हैं, इससे तड़प-तड़पकर हुई मौतों का मंजर अभी आँखों से ओझल नहीं हुआ है, बेराजगारी अपने चरम पर है, अर्थव्यवस्था हांफ रही है, अपराध दिन दूने, रात चौगुने हो रहे हैं, मँहगाई रोज नए रिकार्ड बना रही है, सांप्रदायिकता नये कलेवर के साथ सर्वव्यापी होने को तैयार है 2 अक्टूबर को गाँधी जयंती भी है, आदि - आदि। किसान आंदोलन ने पिछले नौ महीनों में यह तो बतला दिया कि भारत में एक बार पुनः संघर्ष की राह पर चलने की ललक पैदा हुई है। साथ ही सामूहिकता का असाधारण संकल्प भी सामने आया है। 500 से ज्यादा आंदोलनकारियों की मृत्यु के बावजूद किसान आंदोलन का अहिंसक बना रहना किसी चमत्कार से कम नहीं है। हाल ही में करनाल में हुई महापंचायत, प्रदर्शन व सचिवालय का घेराव इसकी गवाही दे रहे हैं। आधुनिक समाज का बड़ा वर्ग सत्य और अहिंसा से बचना चाह रहा है, यह आंदोलन उनके लिए मिसाल है। इस आंदोलन ने सत्ता के दंभ को भी बेनकाब किया है और स्वयं को लगातार विस्तारित किया है। किसान आंदोलन ने भारतीय मीडिया को भी आईना दिखाया है। उन्होंने मीडिया को भी यह समझा दिया है कि उनके बिना भी आंदोलन किया जा सकता है।

यह तय है कि भारत के तमाम लोग कृषि क्षेत्र व किसान की समस्याओं के प्रति अनभिज्ञ हैं और इस तरह के आंदोलन को कमोवेश गैरजरुरी मानते हैं। इस अलगाव के पीछे बहुत से कारण हैं और सबसे बड़ा कारण यह है कि संपनन वर्ग किसान व किसानी को समझना ही नहीं चाहता। राहुल सांकृत्यायन ने लिखा है, ''महीनों की भूख से अधमरे उसके बच्चे चाहभरी निगाह से उस राशि (अनाज) को देखते हैं। वे समझते हैं दुख की अंधेरी रात कटने वाली है और सुख का सबेरा आने वाला है। उनको क्या मालूम कि वह उनके लिए नहीं है। इसके खाने के अधिकारी सबसे पहले वे स्त्री-पुरुष हैं, जिनके हांथों में एक भी घट्टा नहीं है, जिनके हाथ गुलाब जैसे लाल और मक्खन जैसे कोमल हैं, जिनकी जेठ की दुपहरिया खस की टट्टियों (अब एयर कंडीशनर), बिजली के पंखों या शिमला और नैनीताल में बीतती है।'' दशकों बाद भी आज वहीं स्थिति है। अधिकांश किसान उन 80 करोड़ भारतीयों में आते हैं जो सरकार द्वारा दी जा रही 15 किलो राशन की कथित सौगात को प्रधानमंत्री की तस्वीर वाले झोले में अपने घर ले जाकर जैसे तैसे अपना पेट भर रहे हैं। पोषण तो दूर की कौड़ी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दलों ने भी इस अवसर पर वैसा कुछ भी नहीं किया, जिसकी उनसे अपेक्षा थी। दुखद यह है कि किसान आंदोलन तीन कानूनों और एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) तक सिमटा सा दिख रहा है। हमें यह भी समझना होगा कि मूल्य बढ़ा देने आदि से भी कृषि लंबे समय तक बच नहीं पाएगी।

आंदोलन की अवधि का उपयोग इस तलाश में होना था कि किस तरह से सामान्य किसान खेती कर पाए। वर्तमान कृषि का यह औद्योगिक स्वरूप किसान के विनाश का सबसे बड़ा कारण है। कितना भी परिश्रम वर्तमान कृषि प्रणाली के अन्तर्गत कर लिया जाए अंततः वह अस्थायी ही सिद्ध होगा। जमीन से यदि वर्ष में 3-4 फसलें ली जाएंगी तो उसमें कितने दिन तक उर्वश शक्ति बनी रहेगी क्या सिंचाई होने से कृषि संकट समाप्त हो जाएगा रासायनिक उर्वरक व कीटनाशक कृषि को स्थायित्व प्रदान कर पाएंगे बिक्री की आसानी हो जाने से क्या कृषि का उद्धार संभव है क्या हाईब्रिड व जीएम फसलें खेती - किसानी को बचा पाएंगी क्या नकदी फसलें उगा लेने से किसान संकट मुक्त हो जाएंगे ऐसे और भी तमाम प्रशन कृषि के सामने हैं। कृषि और पर्यावरण के आपसी संबंधों पर विचार करना होगा। कृषि में बढ़ती ऋणगस्तता भी चिंता का विषय है। कृषि का घटता रकबा भी विचारणीय प्रशन है। उपरोक्त तमाम प्रशनें या जिज्ञासा पर पिछले नौ महीनों में गंभीरता से विचार होना चाहिए था। किसानों के सामने भी सुनहरा मौका था, जबकि वे अपने बारे में विस्तार से विचार कर सकते थे। ऐसा ही कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को करना चाहिए था। अगर अब तक नहीं किया है तो, अभी भी देरी नहीं हुई है। कृषि की जटिलताओं पर बहुत गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। इतने दिनों में किसी विकल्प पर बात तो शुरु होना चाहिए थी। किसान तो आंदोलन कर ही रहे हैं। परंतु अधिकांश विपक्ष प्रतिक्रिया देने में ही है। किसानों के बारे में सभी को सम्मिलित रूप से विचार करना होगा।

कृषि कानूनों की वापसी और फसलों का उचित मूल्य आज की अनिवार्यता है। परंतु यह तो केवल आरंभ है। कृषि की वास्तविक समस्या उसकी आधुनिक उत्पादन पद्धति है और उसमें सुधार नहीं आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता महसूस हो रही है। अतएव राजनीतिक दलों और कृषि विशेषज्ञों का यह कर्तव्य बनता है कि वे कृषि पर बरप रहे संकटों पर गंभीरता से विचार करें। वे प्रतिक्रिया से क्रिया पर लौटें। अब लगने लगा है कि राजनीतिक दलों में कृषि और कृषक को लेकर धैर्य ही नहीं समझ भी कम होती जा रही है। राजनीति में चुनाव जब भी मुख्य मुद्दा बन जाता है, तब राजनीति अर्थात सामाजिक सरोकर जिसका पर्यायवाची है, कहीं पीछे छूट जाती है।

आज से करीब 80 बरस पहले राहुल सांकृत्यायन ने एक निबंध लिखा था, ''तुम्हारी जोकों की क्षय''। यह आज के संदर्भ में बेहद समकालीन लगता है और दूसरी ओर यह भी समझाता है कि आजादी के बाद तस्वीर ज्यादा नहीं बदली बल्कि पिछले कुछ बरसों में यह बेहद डरावनी हो गई है। ''जोंके जो अपनी परवरिश के लिए धरती पर मेहनत का सहारा नहीं लेतीं। वे दूसरों के अर्जित खून पर गुजर करती हैं। मानुषी जोंके पाशविक जोकों से ज्यादा भयंकर होती हैं।'' बाकी के लेख में वे मानुषी जोंकों की उत्पत्ति, उनके विकास व उसके द्वारा किए जा रहे विध्वंस को समझाते हैं और यह आलेख हिटलर पर आकर पूर्ण होता है। गौरतलब है भारत ही नहीं दुनियाभर के किसान बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है। अब तो गर्व से बताया जा रहा है कि अमुक धनपति के पास ढ़ाई लाख एकड़ से भी ज्यादा जमीन है। और वहीं भारत में जो किसान नौ महीनों से उम्मीद लगाए बैठे हैं, रोज अपमानित हो रहे हैं, जिन्हें वही अनन खाते हुए गरिआया जाता है, जो उन्होंने अपने हाथ में घट्टे बनाकर उपजाया है। ऐसे घट्टे जिनकी वजह से हाथ में अब पानी भी नहीं ठहर पाता, इन उतार चढ़ावों से बह जाता है, और गुलाब के फूल के रंग की मक्खनी हथेलियां अठखेलियां करतीं रहतीं हैं। भारत में किसानों के पास औसतन 3 एकड़ से कम जमीन है और उस पर औद्योगिक कृषि का थोपा जाना सबसे बड़ा अन्याय है। रोज नई खाद, नए बीज, नए ट्रेक्टर के विज्ञापन बता रहे हैं कि कैसे जमीन को दांव पर लगातार और निश्चित तौर पर हारकर उसे जुए में गवां देना बजाए अपराध की श्रेणी में आने के विकास के नए पैमाने और मायने बनते जा रहे हैं। लाखों किसान आत्महत्या कर चुके हैं। कुछ भी नतीजा सामने नहीं आया। लाखों किसान करनाल में धरना दिए बैठे है। एक एसडीएम तक को बर्खास्त तो क्या निलंबित नहीं करवा पा रहे हैं। यह किसानों की नहीं लोकतंत्र की हार है। दिल्ली में नौ महीनों से बैठे किसानों की सुनवाई न होना लोकतंत्र की हार के साथ ही पूरे विपक्ष की भी हार है। कछुआ केवल कहानियों में ही जीतता है। असल जिंदगी में कछुए व खरगोश की दौड़ होती ही नहीं है। परंतु लोकतंत्र न तो कछुआ है और न खरगोश। अपशब्द बोलने वाले अधिकारी को सजा न दे पाना राजनीतिक शासन तंत्र की बेचारगी का प्रतीक है। यह घटना हमें बता रही है कि अफसरशाही पूरी व्यवस्था पर हावी हो चुकी है और राजनीति व राजनीतिज्ञ कठपुतलियों की तरह पीछे से आ रहे आदेशों को दोहरा रहे हैं। व्यवस्था अंततः नागरिकों की रक्षा करने के लिए बनाई जाती है ना कि उन्हें दंडित करने के लिए। ऑलिवर गोल्ड स्मिथ कहते हैं, ''वो देश बदहाल होता है जहां दौलत इकट्ठा होने लगती है और इंसान का पतन होने लगता है।'' करोड़ों किसान दौलत का विकेन्द्रीयकरण करते हैं। वे अपने पास कुछ भी जमा रख ही नहीं पाते। उनके द्वारा अर्जित धन हमेशा प्रचलन में रहता है, एक हाथ से दूसरे हाथ में आता - जाता रहता है। इसलिए यदि इस विश्व को बचना है तो उसे छोटी जोत की खेती को बचाना होगा। अडाणी - अंबानी महज प्रतीक हैं। पूरी दुनिया में खासकर विकसित देशों में नया नारा है ''फूड इज गोल्ड'' यानी खाद्यानन सोना है। तो सोचिए समृद्ध समाज यह सोना छोटे, मझौले व गरीब किसान को की हतेली में क्यों डालेगा । वो तो इसे रोकेगा ही। भारत सहित दुनियाभर की सरकारें यहीं कर रहीं हैं। भारत के किसान के लिए खुले में बैठना या सोना कोई अंजान स्थिति नहीं है। वह साल के आधे दिन ऐसे ही रहता है। वह जितने दिन खुले में रहेगा, लोकतंत्र उतना ही झुर्रीदार होता जाएगा। केंद्र सरकार से अपेक्षा रखना स्वयं को धोखे में रखना है। विपक्षी दलों के पास मौका है खुद को, भारत के लोकतंत्र को और संविधान को बचाने का। एक समानांतर राजनीतिक आंदोलन आज की अनिवार्यता है जो कि पूरी तरह किसानों को भूमिहीनों को, खेत मजदूरों को समर्पित हो। संभव हो तो गांधी के भारत लौटने के बाद के शुरुआती सालों की राजनीति और उनके हस्तक्षेप को समझें। हल उसी में छिपा है। क्योंकि सत्य तो हर काल में सत्य ही होता है।भारतीय कृषि की वर्तमान स्थिति पर फुकुओका का की पुस्तक एक तिनके से क्रांति (वन स्ट्रा रिवोल्युशन) की ये पंक्तियां याद आती हैं। वे कहते हैं, ''इंसान अपनी छेड़छाड़ से कुछ गलत कर बैठते हैं और उस नुकसान को सुधारते नहीं और जब तमाम दुष्प्रभाव इकट्ठे होने लगते हैं तो उन्हें सुधारने पर पिल पड़ते हैं। और जब सुधार संबंधी काम ठीक जान पड़ते हैं तो वे इसे बेहतरीन उपलब्धि मान बैठते हैं। लोग ऐसा बार - बार करते हैं। यह कुछ ऐसा है कि कोई बेवकूफ अपने ही घर की छत पर उछलकूद मचाए और छत के सारे कबेलू तोड़ डाले। बरसात में जब छत टपकने लगे तो उसे खपरेल की मरम्मत करे। अंततः इस बात की खुशी मनाए कि उसने कैसा अद्भुत समाधान ढूंढा है।

इयोन मोर्गन के साथ विवाद पर आर अश्विन बोले, यह निजी लड़ाई बिल्कुल नहीं थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के सीनियर ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच के दौरान इंग्लैंड और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान इयोन मोर्गन के साथ मैदान पर बहस से जुड़े विवाद को खत्म करने का प्रयास करते हुए कहा कि यह निजी लड़ाई नहीं थी, बल्कि खेल कैसे खेला जाना चाहिए, इसे लेकर नजरिए में अंतर था। पिछले हफ्ते दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता के बीच आईपीएल मैच के दौरान ऋषभ पंत के शरीर से टकराकर गेंद के दूर जाने पर अश्विन ने एक रन लेने का प्रयास किया था। अश्विन की इसके बाद इंग्लैंड के लिमिटेड ओवरों के कप्तान के साथ बहस हुई थी, जिसने भारतीय क्रिकेटर पर खेल भावना के तहत नहीं खेलने का आरोप लगाया था। एमसीसी के नियमों में हालांकि स्पष्ट किया गया है कि बल्लेबाज के शरीर से गेंद लगने के बाद रन लेने की स्वीकृति

है।इंग्लैंड को भी इस तरह की घटना में फायदा मिला था, जब 2019 वर्ल्ड कप फाइनल में बाउंड्री के करीब से फेंकी गई थ्रो बेन स्टोक्स के बल्ले से लगकर चार रन के लिए चली गई थी और अंपायर ने ओवरथ्रो के रन दिए थे और बाद में इंग्लैंड खिताब जीतने में सफल रहा था। अश्विन ने कल रात चेनन्ई सुपर किंग्स के खिलाफ मुकाबले के बाद कहा, मुझे लगता है कि यह निश्चित तौर पर निजी लड़ाई नहीं है और मैं इसे इस तरह देखता भी नहीं हूं। जो लोग ध्यान खींचना चाहते हैं वे ऐसा कर सकते हैं लेकिन मैं इसे इस तरह नहीं देखता।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता था कि गेंद ऋषभ से लगकर गई है। इसलिए मुझे लगा कि उन्होंने फैसला कर लिया था कि वे निशाना बनाएंगे और यही कारण है कि मैंने कहा कि जिन शब्दों का इस्तेमाल किया गया वे सही नहीं थे। अश्विन ने मैच के बाद ट्विटर पर मोर्गन और टिम साउथी को अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल नहीं करने और उन्हें खेल भावना का पाठ नहीं पढ़ाने को कहा था। अश्विन के आउट होने के बाद तेज गेंदबाज साउथी ने भारतीय गेंदबाजी से कहा था, जब आप धोखेबाजी करते हो तो ऐसा ही होता है। भारतीय स्पिनर को इसके बाद मोर्गन और साउथी की ओर बढ़ते देखा गया था, जिसके बाद दिनेश कार्तिक ने बीच बचाव करके मामले को ठंडा किया। अश्विन ने कहा, मुझे लगता है कि हमें समझने की जरूरत है कि सांस्कृतिक रूप से सभी लोग अलग होते हैं, लोगों को जिस तरह इंग्लैंड और भारत में क्रिकेट खेलना सिखाया जाता है, सोचने का तरीका बिलकुल अलग है। उन्होंने कहा, मैं यह नहीं कह रहा हूं कि यहां कोई गलत है। सिर्फ इतनी सी बात है कि 1940 के दशक के जिस तरह क्रिकेट खेला जाता था, आप उम्मीद नहीं कर सकते कि आज भी कोई वैसे ही खेले।

मैच के बाद धोनी ने ली पंत-अश्विन की क्लास, चेनन्ई सुपरकिंग्स ने शेयर की फोटो

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में सोमवार को चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच खेला गया। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने आखिरी ओवर की चौथी गेंद पर विनिंग रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। लो स्कोरिंग मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने बेहतर खेल दिखाया और जीत दर्ज कर पॉइंट्स टेबल में टॉप का स्थान हासिल कर लिया। इस मैच के बाद सीएसके के कप्तान धोनी ने दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत की क्लास ली। सीएसके ने इस फोटो को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस फोटो में दिल्ली कैपिटल्स के आर अश्विन, मोहम्मद कैफ भी हैं। इसके अलावा सीएसके के सुरेश रैना और मोईन अली भी हैं।

ऋषभ पंत के लिए सीएसके के खिलाफ यह मैच काफी खास था। पंत इस मैच के दौरान अपना 24वां बर्थडे मना रहे थे। सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स के सामने जीत के लिए 137 रनों का लक्ष्य रखा था। दिल्ली कैपिटल्स ने 17 ओवर में 109 रन तक छह विकेट गंवा दिए थे। दिल्ली कैपिटल्स को आखिरी तीन ओवर में जीत के लिए 28 रनों की जरूरत थी और ऐसा लग रहा था कि सीएसके यह मैच जीत लेगा, लेकिन ड्वेन ब्रावो ने अपने ओवर में 12 रन गंवा दिए, जिससे मैच दिल्ली कैपिटल्स के पक्ष में चला गया। ब्रावो की गेंद पर कृष्णप्पा गौतम ने शिमरोन हेटमायर का कैच टपका दिया था और यह अंत में टीम को काफी भारी भी पड़ा।

राजस्थान रॉयल्स की किस्मत खुद के हाथ में, प्लेऑफ में पहुंचने का गणित है कुछ ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 का फाइनल मैच 15 अक्टूबर को दुबई इंटरनैशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाना है। ठीक 10 दिन बाद इस बात का फैसला हो जाएगा कि आईपीएल 2021 का खिताब कौन सी टीम अपने नाम करेगी। प्लेऑफ के लिए तीन टीमों (दिल्ली कैपिटल्स, चेनन्ई सुपरकिंग्स, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर) ने अपना टिकट कटा लिया है और अब चौथे नंबर के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स और मुंबई इंडियंस के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। पंजाब किंग्स का प्लेऑफ से बाहर होना लगभग तय हो चुका है, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद इस दौड़ से बहुत पहले ही आउट हो चुका है। राजस्थान रॉयल्स इकलौती ऐसी टीम है, जिसकी किस्मत उसके खुद के हाथ में है और उसे किसी और टीम के रिजल्ट से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। राजस्थान रॉयल्स के लिए समीकरण बिल्कुल आसान है, उन्हें आज के मैच में मुंबई इंडियंस को और फिर 7 अक्टूबर को केकेआर को हराना होगा। अभी राजस्थान रॉयल्स के खाते में 12 मैचों में पांच जीत के साथ 10 प्वॉइंट्स हैं, वहीं मुंबई इंडियंस के भी इतने ही मैचों के बाद इतने ही प्वॉइंट्स हैं। राजस्थान रॉयल्स बेहतर नेट रनरेट के हिसाब से प्वॉइंट टेबल में मुंबई इंडियंस से आगे है।

हारकर दुखी थे ड्वेन ब्रावो, शिमरोन हेटमायर ने ऐसे जीत के जश्न में किया शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 में दिल्ली कैपिटल्स ने करीबी मुकाबले में सोमवार को चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) को तीन विकेट से हराया। आखिरी ओवर में दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए छह रन चाहिए थे और ड्वेन ब्रावो गेंदबाजी के लिए आए थे। ब्रावो ने पहली तीन गेंद पर चार रन दे दिए थे। तीसरी गेंद पर ब्रावो ने अक्षर पटेल को आउट कर मैच में सीएसके को वापसी दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए कगीसो रबाडा ने चौका जड़कर दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाई। शिमरोन हेटमायर 18 गेंद पर 28 रन बनाकर नॉटआउट लौटे।

हेटमायर ने दिल्ली कैपिटल्स की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच के बाद ड्वेन ब्रावो हार से दुखी नजर आ रहे थे, हेटमायर ने उन्हें जीत के जश्न में शामिल करते हुए उनके कंधे पर सवार हो गए। ब्रावो ने 17 ओवर तक गेंदबाजी नहीं की थी, आखिरी तीन ओवर में दिल्ली कैपिटल्स को 28 रनों की जरूरत थी, धोनी ने ब्रावो को गेंद पकड़ाई। ब्रावो ने अपने पहले ओवर में 12 रन खर्च डाले, जिसमें दो वाइड गेंद शामिल थीं। इसी ओवर में कृष्णप्पा गौतम ने हेटमायर का कैच भी टपकाया। इसके बाद जोश हेजलवुड ने अपने ओवर में 10 रन खर्च और इस तरह से दिल्ली को आखिरी ओवर में महज छह रन चाहिए थे।

सुनील गावस्कर ने बताया, क्यों आईपीएल 2021 में नहीं चल पा रहे हैं सूर्यकुमार यादव और इशान किशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप टीम में जगह बनाने के बाद सूर्यकुमार यादव और इशान किशन यूएई में जारी आईपीएल 2021 के दूसरे फेज में अब तक अच्छा खेल नहीं दिखा सके हैं। दोनों ही खिलाड़ी रन बनाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहे हैं। उनके इस प्रदर्शन से फैन्स के मन में लगातार कई तरह के सवाल उठ रहे हैं। कुछ लोगों ने तो सूर्यकुमार और किशन को टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर करने की मांग भी उठाई है। दोनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने अपनी राय दी

है और बताया है कि क्यों दोनों खिलाड़ी आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट कनेक्टेड में बात करते हुए गावस्कर ने कहा, मेरे हिसाब से सूर्यकुमार यादव और इशान किशन भारतीय कैप हासिल करने के बाद थोड़ा रिलैक्स मोड़ में चले गए हैं। हो सकता है कि ऐसा न हुआ हो, लेकिन उनके शॉट देखकर ऐसा ही लगता है। ऐसा लगता है कि वे इन बड़े शॉट्स को सिर्फ इसलिए खेलने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे भारतीय टीम के खिलाड़ी है। कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको खुद को थोड़ा समय देना होता है और अपने शॉट का सिलेक्शन सही करना होता है और मुझे लगता है कि वे इस बार चूक गए हैं।

यहां उनका शॉट सिलेक्शन बिल्कुल सही नहीं रह रहा है और इसलिए वे सस्ते में आउट हो रहे हैं। गावस्कर ने यहां भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, हार्दिक का बॉलिंग न करना मुंबई इंडियंस के लिए ही नहीं, बल्कि भारत के लिए भी एक बड़ा झटका है, क्योंकि उन्हें टीम में एक ऑलराउंडर के रूप में लिया गया था। अगर आप टीम में हैं और नंबर 6 या नंबर 7 पर बल्लेबाजी कर रहे हैं और गेंदबाजी नहीं कर पा रहे हैं तो यहां कप्तान के लिए बड़ा मुश्किल हो जाता है। ऐसा होने से कप्तान को फ्लैक्सिबिलिटी और ऑप्शन नहीं मिलते हैं, जो किसी नंबर 6 या 7 पर बल्लेबाजी करने वाले ऑलराउंडर के लिए जरूरी हैं।

भाजपा सरकार में महिलाओं का उत्पीड़न बढ़ा : जुही सिंह

समाजवादी पार्टी द्वारा दत्तीपुर में आयोजित किया गया समाजवादी जनसंवाद कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

औराई। समाजवादी पार्टी द्वारा क्षेत्र के दत्तीपुर उगापुर गांव में मंगलवार को समाजवादी जनसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित समाजवादी पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता व समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जुही सिंह ने वहां मौजूद लोगों के साथ सीधा संवाद किया। इससे पूर्व मुख्यमंत्री अतिथि भव्य स्वागत किया गया।

इस दौरान समाजवादी महिला सभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह ने कहा कि जबसे भाजपा सरकार आई है। महिला उत्पीड़न, हत्या, बलात्कार व अपहरण की घटनाओं की बाढ़ आ गई है। इस सरकार में सरेआम लोकतंत्र की हत्या की

जा रही है। लोकतंत्र की हत्या करने वाली भाजपा सरकार से जनता ऊब गई है। उन्होंने कहा कि महंगाई ने महिलाओं की कमर तोड़ दिया। बेतहाशा महंगाई ने आम जनता को जीना दूभर कर दिया है। सरकार महंगाई पर नियंत्रण नहीं कर रही है।

श्रीमती सिंह ने जोर देकर कहा कि समाजवादी सरकार में सबका सम्मान और प्रतिनिधित्व सुनिश्चित था। आधी आबादी के हित में अनेक फैसले लिए गए थे। महिलाओं की सुरक्षा और अधिकार के लिए अखिलेश यादव सदैव समर्पित रहे हैं। 2022 में समाजवादी सरकार बनने पर ही प्रदेश खुशहाल होगा। कहा कि भाजपा सरकार ने जनता को दुरूख देने का काम किया। अभी आपने देखा किस तरह किसानों हत्या कर दी गई। जनसंवाद कार्यक्रम को जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव तथा औराई की पूर्व विधायक मधुबाला पासी ने भी संबोधित किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए सभी से अपील की।

इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख भदोही सुनीता यादव, पार्टी जिला महासचिव हृदय नारायण प्रजापति, पार्टी प्रवक्ता निधि यादव, अंजनी सरोज, जिला पंचायत सदस्य नीरा यादव, डा.नीलम मिश्रा, प्रमिला यादव, रजनी विश्वकर्मा, केशनारायण यादव व समर बहादुर यादव आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे अध्यक्षता समाजवादी महिला सभा की जिलाध्यक्ष डा.सरिता बिंद ने की।

अनुसूचित जाति जन जाति के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का आगमन आज

भदोही। उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष राम नरेश पासवान जी का 05 अक्टूबर को दिन में 2:30 बजे लखनऊ से चलकर रात्रि 8:00 बजे सर्किट हाउस भदोही में विश्राम करेंगे। वहीं 06 अक्टूबर को सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का निराकरण करेंगे। इस दौरान जनपद के अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के व्यक्ति अपनी समस्याओं को लेकर माननीय उपाध्यक्ष महोदय से मुलाकात कर सकते हैं।

प्रत्येक दशा में अधिकारी 10 से 12 बजे तक करें जन सूनवाई : डीएम

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने बताया कि मुख्य सचिव, उ0प्र0 शासन लखनऊ द्वारा 16 जुलाई 2021 को पत्र जारी कर जनता की समस्याओं के निराकरण पर विशेष बल दिया है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों एवं विशेष रूप से फील्ड में तैनात अधिकारियों को अपने-अपने कार्यालयों में जनसुनवाई हेतु प्रातः 10 से 12 बजे तक उपस्थित रहकर जनशिकायतों को सुनने व उसके समयबद्ध गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया

है।अतः उपरोक्तानुसार दिये गये निर्देश के अनुक्रम में समस्त जनपद स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रत्येक कार्यालय दिवस में प्रातः 10 से 12 बजे तक अपने-अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर जन सुनवाई करेगें तथा प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करायेगें। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निरीक्षण कराये जाने पर या अन्य माध्यमों से संज्ञानित होने पर विभागाध्यक्ष/ कार्यालयाध्यक्ष द्वारा उक्त अवधि में जनसुनवाई नही की जा रही है तो ऐसे अधिकारी के विरूद्ध कार्यवाही हेतु प्रकरण शासन को सन्दर्भित कर दिया जायेगा। उक्त कार्यालय ज्ञाप का अक्षरशः कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये।

पितृ विसर्जन आज, पितरों के लिए होगा पिण्डदान

कांवल। पितरों के विदाई का पर्व आज है। आज लोग अपने पितरों को पिण्डदान कर उनकी विदाई करेंगे। आश्विन मास की अमावस्या को पितरों की विदाई की जाती है। यह पितृ पक्ष का अंतिम दिवस होता है, जो पितृ विसर्जन के नाम से जाना जाता है। वरिष्ठ विद्वान पं. देवमणि मिश्र ने बताया कि इस दिन सूर्य व चंद्र दोनों के हस्त नक्षत्र में होने से गजच्छाया नामक योग बन रहा है। शास्त्रों में इसकी बहुत बड़ी महिमा है। इस योग में सनन, दान, जप एवं ब्राह्मणों को भोजन, अनन, वस्त्रादि का दान व श्राद्ध करने का विशेष महात्म्य माना गया है। बताया कि यह पुण्य योग सूर्योदय से शाम 5.09 बजे तक विशेष रूप से रहेगा। सर्वपितृ श्राद्ध के दिन ज्ञात-अज्ञात तिथियों में मृतकजनों के निमित्त श्राद्ध कर्म करने से पितरों की शांति तथा श्राद्धकर्ता के घर में सुख-शांति एवं पारिवारिक सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस दिन ब्राह्मण भोजन, दान आदि के बाद गौ ग्रास देना शुभ होता है। श्राद्ध के दौरान तुलसी, आम और पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं और सूर्य देवता को सूर्योदय के समय अर्घ्य देना न भूलें। सायंकाल गृह द्वार के बाहर दीप प्रज्ज्वलित कर श्रद्धा पूर्वक पितृ विसर्जन करना चाहिए ।ब्रह्मपुराण के अनुसार पितृ अमावस्या में पवित्र होकर यतन्पूर्वक श्राद्ध करने से मनुष्य की समस्त अभिलाषाएं पूरी होती है और वह अनंत काल तक स्वर्ग में सुख प्राप्त करता है।

असंख्य लोगों की शहादत के बाद मिली है आजादी

अखंड भारत संदेश

भदोही। काशी नरेश राजकीय सनतकोत्तर महा विद्यालय ज्ञानपुर भदोही में राष्ट्रीय सेवा योजना तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही के द्वारा आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मिशन शक्ति, महिला अध्ययन केंद्र के द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को आजादी के अमृत महोत्सव के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में स्वाधीनता आंदोलन में योगदान करने वाले शहीदों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना की वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ कामिनी वर्मा ने बताया आजादी असंख्य लोगों की शहादत के बाद मिली है। जिसकी रक्षा हमें अपने मन वचन और कर्म से करनी है। महापुरुषों द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर इसे अक्षुण्य बनाए रखना है। कहा प्रकृति ने सभी को समान अवसर दिए हैं, इसलिए लिंग के आधार पर भेदभाव करना अनुचित है। अभिभावक बालक तथा बालिका दोनों को समान रूप से पोषण तथा शिक्षा का अवसर दें। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ अवधेश आर्य ने हमारे महापुरुषों ने आत्मनिर्भर भारत की कल्पना की थी। आज शिक्षा व रोजगार के अवसरों के लिए लोग शहरों से गांव की ओर पलायन कर रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, गांव में ही रोजगार व शिक्षा के अवसरों की खोज करके देश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर किया जा सकता है। डॉ महेंद्र कुमार ने कहा जीवन में असफलताएं आती रहती है, असफलता के डर से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने से बचने का प्रयास नहीं करना चाहिए। जो निरंतर चलता रहता है उसे ही सफलता मिलती है।कार्यक्रम में डॉ सूर्यनाथ खरवार ने बताया मुट्ठी भर अंग्रेजों ने फूट डालो राज करो की नीति अपना कर हमें एक दूसरे से अलग करके हम पर शासन करते रहे। एकता में ही शक्ति और सफलता है। इसलिए हमें अपने मन से ईर्ष्या द्वेष को दूर रखना होगा। डॉक्टर विजेता सिंह ने बताया महिला सशक्तिकरण की दिशा में शिक्षा सबसे कारगर उपाय है। इसलिए बालिकाएं मन लगाकर पढ़ाई करें व आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करें।

आम जनता के अधिकारों को कुचल रही सरकार : विकास

अखंड भारत संदेश

लखीमपुर खीरी की घटना से सरकार का किसान विरोधी चेहरा उजागर

भदोही। जनपद में सपा संगठन की समीक्षा करने आये युवजन सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास यादव ने पत्रकारों से बातचीत में लखीमपुर किसान हत्या मामले में भाजपा सरकार को अत्याचारी करार दिया। श्री यादव ने बताया कि सपा मुखिया अखिलेश यादव के निर्देश पर जिले में संगठन की समीक्षा करने आये है। तीनो विधानसभा की अलग अलग समीक्षा किया गया है। मुख्यालय पर कार्यकर्ताओ संग धरना व किसान हित में आंदोलन भी किया। जिले के सपा नेता व कार्यकर्ता की एक जुटता देख कर अच्छा लगा। जिले के कार्यकर्त्ता निश्चित तौर पर बहादुर व साहसी है। 2022 विधानसभा चुनाव में हमे पूरा विश्वास है कि जिले के तीनो सीटो पर सपा का परचम लहराएंगा। भाजपा सरकार पर हमला बोलते कहा कि विकास व जनहित के योजनाओं से दूर सिर्फ योगी जी के ठोको निति पर पुलिस व भाजपा नेता कार्य कर रहे है। किसान हत्या सोची समझी साजिश किसान आंदोलन को दबाने का कुचक्र है। भाजपा सरकार को देश के किसान समझ चूके है। अब केंद्र व उत्तर प्रदेश में भाजपा को जनता सत्ता से बेदखल करेगी। कहा कि लोकतंत्र की हत्या, महिलाओं अत्याचार व विपक्ष की आवाज दबाने का काम पुलिस का दुरूपयोग कर हो रहा है। एक तरफ भाजपा सरकार के इसारे पर किसानो की हत्या हो रही है।

अवैध क्लिनिक संचालक गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

घोसिया। औराई कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत त्रिलोकपुर नहरा के पास फर्जी तरीके से अस्पताल में डॉक्टर बनकर स्वयं को डॉक्टर बता कर इलाज कर रहे बहुचर्चित एक डाक्टर गुप्ता को आज पुलिस ने अस्पताल से हीं गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब हो कि कई महीनों से पुलिस तलाश कर रही थी। जिन पर अपराध संख्या 10/21 धारा 304 आईपीसी 15/(3) इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट के अभियुक्त गणेश प्रसाद गुप्ता पुत्र स्वर्गीय हरिशचंद्र गुप्ता त्रिलोकपुर को उन्हीं के अस्पताल से धर दबोचा जो कि पहले से ही वांक्षित चल रहे थे। उन्हें गिरफ्तार करके मेडिकल जांच के बाद जेल भेज दिया।

मालूम हो कि इसके पूर्व भी कई बार लोगों की शिकायत पर अबैध ढ़ंग से अस्पताल संचालन करने में गुप्ता क्लीनिक को मेडिकल अफसर की जांच रिपोर्ट पर अस्पताल पर सीज की कार्यवाही हो चुकी है। फिर भी वह नया क्लीनिक बनाकर दूसरा तीसरा अस्पताल संचालित करता रहता है। क्षेत्र में ऐसे ही अबैध ढ़ंग से बहुत से क्लीनिक संचालित हो रहे हैं जहां न तो योग्य डाक्टर है और न फार्मासिस्ट हैं। आये दिन लोगों द्वारा ऐसे संचालको की शिकायत होती रहती है, लेकिन विभाग द्वारा कोई कार्यवाही नही की जाती है। स्वास्थ्य विभाग सब कुछ जानते हुए भी मूकदर्शक बना है जो कि क्षेत्र में चर्चा का बिषय बना हुआ है।

लंबित विवेचनाओं का जल्द करें निस्तारण : एसपी

नवागत एसपी ने किया थाने का निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज। नवागत पुलिस अधीक्षक डा. अनिल कुमार सोमवार को देर शाम गोपीगंज थाने पहुंच गए। एसपी ने थाने का गहन निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष से लंबित विवेचनाओं को जल्द से जल्द निपटाने का आदेश भी दिया।

पुलिस अधीक्षक ने गोपीगंज थानाध्यक्ष अभिनव वर्मा को थाना परिसर व भोजनालय के आस-पास साफ-सफाई रखने का निर्देश दिया। एसपी ने पुरुष बैरिक व निर्माणाधीन महिला बैरिक का जायजा लेते हुये कंप्यूटर कक्ष, थाना कार्यालय, शस्त्रागार कक्ष का सघन निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष श्री वर्मा को थाने में खड़े मुकदमों से संबंधित वाहनों को विभाग से नियमानुशार अनुमति लेकर मामले का निस्तारण करवाने का आदेश भी दिया। एसपी डा. अनिल कुमार ने बताया कि किसी भी दशा में महिलाओं का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। समय-समय पर क्षेत्र में तलाशी अभियान चला कर अराजकतत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

लखीमपुर पर न्याय मांगने शाह से मिलने पहुंचे चन्नी, सिद्धू ने दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खिरी में हुए बवाल के बाद इस मामले पर सियासत जारी है। अब पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने दिल्ली पहुंचे हैं। लखीमपुर की घटना में वो न्याय मांगने के लिए दिल्ली पहुंचे हैं। मंगलवार को दिल्ली के लिए निकलने से पहले चरणजीत सिंह चन्नी ने मीडिया से बातचीत में कहा, 'यह तीनों कृषि कानून जल्द से जल्द वापस लिये जाने चाहिए।

लखीमपुर खिरी में जिस तरह की घटना हुई है उसे रोका जाना चाहिए। मैं इस विषय पर आज केंद्रीय गृहमंत्री से बातचीत करूंगा।' रविवार को लखीमपुर-खिरी में हुए हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। संयुक्त किसान मोर्चा और कई अन्य किसान संगठनों ने आरोप लगाया है कि इस घटना में 4 किसानों की मौत हो गई है। संयुक्त किसान मोर्चा का आरोप है कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा टेनी तीन गाड़ियों का काफिला लेकर पहुंचे थे। उसी वक्त किसान से वहां निकल रहे थे

तब ही उनके काफिले में शामिल गाड़ियों ने इंसानों पर गाड़ी चढ़ा दी। इसमें 4 किसानों की मौत हो गई। चन्नी ने कहा कि लखीमपुर खीरी में हुयी हिंसा ने उन्हें 1919 की जलियांवाला बाग घटना की याद दिला दी । इससे पहले चन्नी ने राज्य सरकार के कुछ मंत्रियों और कांग्रेस विधायकों के साथ यहां गांधी स्मारक भवन परिसर में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुयी हिंसा के विरोध में सोमवार को मूक प्रदर्शन किया। केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ पिछले साल किसानों के शुरू हुये विरोध प्रदर्शन के बाद से रविवार को सबसे खूनी संघर्ष हुआ। जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मरने वालों में चार किसान थे, जिन्हें उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के स्वागत के लिए एक कार्यक्रम में जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं ने कथित रूप से वाहनों से कुचल दिया था। अन्य लोग भाजपा के कार्यकर्ता और उनके चालक थे, जिन्हें वाहन से खींच कर बाहर निकाला गया और पीट-पीट कर उनकी हत्या कर दी गयी । इसके अलावा दो कारों को आग के हवाले कर दिया गया। चन्नी ने आरोप लगाया कि किसानों की ''हत्या'' जानबूझ कर की गयी है । उन्होंने कहा कि वह शाम साढे छह बजे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात करेंगे और उनके समक्ष लखीमपुर खीरी की घटना को उठायेंगे। केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर बरसते हुये चन्नी ने कहा कि उन्हें देश के युवाओं को देश में दोबारा लोकतंत्र 'बहाल' करने के लिए भगत सिंह, राजगुरु, सुखदेव और शहीद उधम सिंह जैसे शहीदों की ओर देखने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए। चन्नी ने कहा कि लखीमपुर खीरी की घटना ''दुखद'' है और तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाने की मांग की। पंजाब के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे किसानों पर जिस तरीके से एसयूवी कार को पीछे से चढ़ाया गया और उनकी हत्या की गयी, वह जानबूझ कर किया गया था । इधर इस मामले में कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने भी अल्टीमेटम दिया है। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने मंगलवार को कहा कि अगर प्रियंका गांधी को रिहा नहीं किया गया और हत्या के आरोपी केंद्रीय मंत्री के बेटे को गिरफ्तार नहीं किया गया तो पंजाब कांग्रेस के कार्यकर्ता उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी की ओर मार्च करेंगे। सिद्धू ने ट्वीट करते हुए लिखा है, किसानों की हत्या के पीछे जिस केंद्रीय मंत्री के बेटे का हाथ है, उसे बुधवार तक गिरफ्तार नहीं किया गया और किसानों के हक में लड़ रहीं गैरकानूनी रूप से गिरफ्तार की गई हमारी नेता प्रियंका गांधी को रिहा नहीं किया गया तो पंजाब कांग्रेस लखीमपुर खीरी तक मार्च करेगी।

किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले 147 किसान परिवारों को पंजाब में सरकारी नौकरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने किसान आंदोलन में जान गंवाने वाले किसान परिवारों के सदस्यों को सरकारी नौकरी देने का ऐलान किया है। इस संबंध में प्रदेश के कृषि विभाग ने 147 नियुक्ति पत्र भी जारी किए हैं। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नि ने पिछले सप्ताह किसानों से वादा किया था कि राज्य सरकार की तरफ से उन किसान परिवारों को सरकारी नौकरी मिलेगी, जिनके सदस्यों ने किसान आंदोलन के दौरान अपनी जान गंवाई। मुख्यमंत्री ने कहा था, ठइन किसानों, खेतिहर मजदूरों ने कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी. यह शर्मनाक है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की किसान विरोधी नीतियों के चलते भारत को खाद्यानन्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने वाले प्रदेश के मेहनतकश किसान सड़कों पर हैं। चन्नी ने कहा था कि इन कानूनों को राज्य में लागू नहीं किया जाएगा. उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा पहले ही इन कानूनों को खारिज कर चुकी है क्योंकि इन कानूनों का मुख्य उद्देश्य किसानों को बर्बाद करना है।

जम्मू-कश्मीर के गर्ल्स स्कूल में कोरोना विस्फोट, 35 छात्राएं मिलीं कोरोना पॉजिटिव

मंडी (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के मंडी स्थित गर्ल्ड हाई स्कूल में 35 छात्र कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। कोरोना के इतने सारे मामले आने के बाद स्कूल को पांच दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। मंडी के तहसीलदार शाजाद लतीफ खान ने बताया कि 35 छात्रों के कोरोना संक्रमित पाए जाने के बाद 5 दिनों के लिए स्कूल को बंद कर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि सभी कोरोना संबंधी नियमों का पालन करते रहें। बता दें कि चार अक्टूबर को भी केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में कोरोना के 100 मामले आए हैं। वहीं, राज्य में फिलहाल कोरोना के 1 हजार 157 एक्टिव केस हैं।

घर-घर राशन योजना को अब मिलेगी मंजूरी दिल्ली सरकार ने फिर एलजी को भेजी फाइल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में घर-घर राशन की योजना पर केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल अनिल बैजल के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राशन की डोर स्टेप डिलीवरी की फाइल मंजूरी के लिए एक बार फिर से उपराज्यपाल को भेजी है। यह फाइल पहले भी दो बार बैजल को भेजी गयी थी लेकिन उन्होंने इसे मंजूरी नहीं दी थी। दिल्ली सरकार के एक अधिकारी ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि उपराज्यपाल को फाइल भेज दी गई है। इसमें कहा गया है कि दिल्ली हाईकोर्ट ने राशन की डोर स्टेप डिलीवरी लागू करने की अनुमति दे दी है, ऐसे में आप भी इस प्रस्ताव को मंजूरी दें ताकि दिल्ली में जल्द से जल्द राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना लागू हो सके।पिछले सप्ताह हाईकोर्ट ने दिल्ली में राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना लागू करने की सशर्त इजाजत दे दी थी। राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना पर केजरीवाल सरकार और उपराज्यपाल में काफी समय से विवाद चल रहा है। दिल्ली की केजरीवाल सरकार राशन की डोर स्टेप डिलीवरी योजना लागू करने पर अड़ी थी, जबकि उपराज्यपाल/ केंद्र सरकार इसका विरोध कर रहे थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को दिए अपने आदेश में दिल्ली सरकार को निर्देश दिया कि वह सभी उचित दर दुकानों के संचालकों को उन राशन कार्डधारकों की जानकारी दें जिन्होंने घर पर ही राशन प्राप्त करने का विकल्प चुना है। हाईकोर्ट ने कहा था कि इसके बाद उचित मूल्य की दुकान के मालिकों को उन सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के लाभाथियों के राशन की आपूर्ति नहीं करनी पड़ेगी, जिन्होंने घर तक सामान पहुंचाने के विकल्प को चुना है। बता दें कि दिल्ली सरकार की 'मुख्यमंत्री घर-घर राशन योजना' को दिल्ली सरकारी राशन डीलर संघ ने अदालत में चुनौती दी थी। दिल्ली सरकार का आरोप है कि केंद्र ने राजधानी में 72 लाख राशन कार्ड धारकों को लाभान्वित करने वाली उसकी महत्वाकांक्षी घर-घर राशन योजना को रोक दिया और उसने इस कदम को राजनीति से प्रेरित बताया था। केंद्र सरकार ने हालांकि आरोपों को आधारहीन करार दिया है। गौरतलब है कि इस योजना को पहले मुख्यमंत्री घर घर राशन योजना (श्श्उउेंभ) नाम दिया गया था, लेकिन बाद में 9 मार्च को केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय द्वारा एक अधिसूचना के बाद इसे हटा दिया गया था, जिसमें कहा गया था कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (ऱ्इईं) के तहत वितरण के लिए आवंटित सब्सिडी वाले खाद्यानन्न का इस्तेमाल अलग नाम से योजनाओं के लिए नहीं किया जा सकता है।

लखीमपुर खीरी हिंसा की सीबीआई जांच की मांग, एससी अर्जी दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में हुई हिंसा मामले की जांच सीबीआई से कराए जाने की मांग को लेकर दो वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को अर्जी दायर की है। रविवार को हुई इस हिंसा में आठ लोगों की जान चली गई, जिसमें किसान और पत्रकार भी शामिल थे। वकीलों ने कहा कि जांच एक तय समयावधि के भीतर और शीर्ष अदालत की निगरानी में होनी चाहिए। याचिका में सुप्रीम कोर्ट से गृह मंत्रालय और पुलिस विभाग को एफआईआर दर्ज करने के लिए निर्देश देने और इसमें संलिप्त 'मंत्रियों' को सजा देने की मांग भी की गई है। बता दें कि किसानों की शिकायत पर पुलिस ने एक एफआईआर पहले ही दर्ज कर ली है। इस एफआईआर में केंद्रीय गृहराज्य मंत्री अजय मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा सहित अन्य लोगों का नाम दर्ज है। इनपर हत्या, आपराधिक साजित और 20 अन्य आरोपों के तहत केस दर्ज किए गए हैं। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने हिंसा में अपने बेटे की संलिप्तता के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि आशीष मिश्रा केस में किसी भी जांच का सामना करने को तैयार है।

दिल्ली में सबसे अधिक प्रदूषण वाले 150 हॉटस्पॉट की पहचान, ऐप पर मिली थीं शिकायतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने 'ग्रीन दिल्ली' ऐप पर मिली शिकायतों के आधार पर ऐसे 150 स्थानों की पहचान की है, जहां प्रदूषण सबसे अधिक फैलता है। प्रदूषण विरोधी गतिविधियों की निगरानी एवं समन्वय के लिए शहर ने पिछले साल 'ग्रीन वॉर रूम' और प्रदूषण करने वाली गतिविधियों से संबंधित शिकायतों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए 'ग्रीन दिल्ली' ऐप लॉन्च किया था। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने मंगलवार को ऐप के 'आईओएस वर्जन' (आईफोन में चलने वाले) को जारी करते हुए कहा कि प्राप्त 27,000 शिकायतों में से 23,000 से अधिक का निपटारा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर शिकायतें नगर निगमों, दिल्ली विकास प्राधिकरण और लोक निर्माण विभाग से संबंधित थीं। राय ने कहा कि ऐप पर मिली शिकायतों के आधार पर हमने ऐसे 150 स्थानों की

पहचान की है, जहां से प्रदूषण फैलने की सबसे अधिक शिकायतें मिली हैं।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (ण्इँ) और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण प्राधिकरण ने पहले दिल्ली में 13 ऐसे स्थानों की पहचान की थी, जहां प्रदूषण सबसे अधिक फैलता है। ये स्थान रोहिणी, द्वारका, ओखला फेज -2, पंजाबी बाग, आनंद विहार, विवेक विहार, वजीरपुर, जहांगीरपुरी, आर के पुरम, बवाना, मुंडका, नरेला और मायापुरी थे।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सोमवार को 10 सूत्रीय 'विंटर एक्शन प्लान' की घोषणा की थी, जिसमें धूल को नियंत्रित करना, पूसा के जैव अपघटक का इस्तेमाल, स्मॉग टावर लगाना और कचरा जलाने एवं वाहनों से उत्सर्जन पर लगाम लगाना जैसे उपाय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने पड़ोसी राज्यों को एनसीआर में नई प्रौद्योगिकी वाले थर्मल बिजली संयंत्र लगाने, सीएनजी से चलने वाले वाहन और इलाके के उद्योगों में स्वच्छ ऊर्जा सुनिश्चित करने की भी अपील की थी। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि केन्द्र और पड़ोसी राज्यों ने किसानों द्वारा पराली जलाए जाने को रोकने के लिए कुछ नहीं किया जिससे सर्दी के मौसम में वायु प्रदूषण बढ़ेगा। उन्होंने पड़ोसी राज्यों की सरकारों से वायु को स्वच्छ बनाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। केजरीवाल ने केन्द्र और दिल्ली के पड़ोसी राज्यों से कटाई के बाद बचे पुआल के प्रबंधन के लिए जैव अपघटक का निःशुल्क छिड़काव सुनिश्चित करने की अपील की, जैसा उनकी सरकार राष्ट्रीय राजधानी में कर रही है। उन्होंने कहा था कि दिल्ली सरकार ने पराली जलाने की समस्या का समाधान पेश किया है और वह है पूसा जैव अपघटक। हम उम्मीद करते हैं कि इसका जितना संभव हो सके उतना इस्तेमाल किया जाएगा।

लखनऊ में पीएम मोदी ने बताई ट्रिक, कैसे तीन करोड़ परिवारों को बना दिया लखपति

लखनऊ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के गरीबों को आवास समेत हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का सौगात दी। साथ ही उत्तर प्रदेश की पिछली अखिलेश सरकार और पूर्ववर्ती केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वह गरीबों के लिए घर बनाने के काम में लगातार अड़ंगा लगा रही थी। उनकी सरकार ने इसी कार्यकाल में तीन करोड़ परिवारों को लखपति बनाया है। यूपी की योगी सरकार ने नौ लाख गरीबों को पक्के आवास दिए हैं। पिछली सरकार में बिजली सुविधा का नहीं बल्कि सियासत का टूल बन गई थी। अब बिजली सबको सब जगह एक समान मिल रही है। अब गांव की सड़क किसी सिफारिश की मोहताज नहीं है। जनता पहले की सरकारों व योगी सरकार के इस अंतर को अच्छी तरह समझती है। प्रधानमंत्री मंगलवार को लखनऊ में न्यू अर्बन इंडिया कान्क्लेव के शुभारंभ के मौके पर बोल रहे थे। प्रधानमंत्री ने विरोधियों पर तंज कसते हुए कहा कि कुछ महानुभाव पूछते हैं कि मोदी ने किया क्या...आज पहली बार ऐसी बात बताना चाहता हूं। इसे सुनने के बाद मेरे विरोधी जो दिन रात मेरा विरोध करने में अपनी ऊर्जा खपाते हैं, मुझ पर टूट पड़ेंगे। जो साथी झुग्गी झोपड़ी में जिंदगी जीते थे, ऐसे 3 करोड़ परिवारों को इसी कार्यकाल में एक ही योजना से लखपति बनने का अवसर मिल गया है। आप लोग सोचेंगे कि मैं इतना बड़ा दावा किस आधार पर कर रहा हूं। इस देश में मोटा-मोटा अंदाजा करें तो 30 करोड़ परिवार हैं। लखपति बनना अपने-आप में बहुत बड़ी बात है। पीएम आवास योजना में देश में 3 करोड़ घर बने हैं। उनकी कीमत का अंदाज़ा लगा लीजिए ये लोग लखपति हैं। उन्होंने अखिलेश यादव की सपा सरकार का नाम लिए बगैर कहा कि मुझे वह दिन भी याद आते हैं जब तमाम प्रयासों के बावजूद उत्तर

प्रदेश घरों के निर्माण के मामले में आगे नहीं बढ़ रहा था। वर्ष 2017 से पहले से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश के लिए 18 हजार घरों की स्वीकृति दी गई थी लेकिन उस सरकार ने 18 घर भी बना कर नहीं दिए। पैसा था, घरों की स्वीकृति भी थी लेकिन तब वे लोग इसमें लगातार अड़ंगा डाल रहे थे। उनका यह कृत्य राज्य के लोग कभी नहीं भूल सकते। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज प्रदेश की जिन परियोजनाओं का शिलान्यास हुआ है, वह योगी जी के नेतृत्व में तेजी से पूरी होंगी।प्रधानमंत्री ने महिलाओं के नाम मकान होने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि पीएम आवास में 80 फीसदी मालिकाना हक महिलाओं का है या फिर वे ज्वाइंट ओनर हैं। किसी भी परिवार में जाइए, मकान, खेत ,स्कूटर सब पति के नाम पर है नहीं तो बेटे के नाम पर। ...लेकिन मां-महिला के नाम कुछ भी नहीं होता था। उन्होंने योगी की तारीफ करते हुए कहा कि योगी सरकार ने महिलाओं को मकान की रजिस्ट्री पर दो फीसदी की छूट देने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने कांग्रेस की पूर्ववर्ती केंद्र सरकार पर हमला करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना में पहले की सरकारों में जो बनते थे उसमें मटेरियल खराब, एलाटमेंट में हेराफेरी। इसे गरीबों का भाग्य बना दिया है। जब आपने मुझे देश की सेवा का दायित्व दिया तो ईमानदारी से काम करने की कोशिश की है। देश में शहरी आवास योजना में सिर्फ 13 लाख मकान ही मंजूर किए थे। इसमें भी सिर्फ 8 लाख मकान ही बनाए गए। वर्ष 2014 के बाद से हमारी सरकार ने पीएम आवास योजना में 1.13 करोड़ घर निर्माण की मंजूरी दी। कहां 13 लाख और कहां एक करोड़ 13 लाख...। एक पत्थर जोड़ कर इमारत तो बन सकती है..उसे घर नहीं कह सकते। घर तब कहते हैं, जब परिवार का सपना उससे जुड़ रहा हो। जब परिवार का हर सदस्य सपना पूरा करने के लिए जूझ रहा हो। पहले तो 15 वर्ग मीटर के भी मकान बन जाते थे। वर्ष 2014 के बाद हमारी सरकार ने घरों के क्षेत्रफल को लेकर भी साफ नीति बनाई। तय किया कि 22 वर्ग मीटर से छोटा कोई भी घर नहीं बनेगा।

यूएनआरसी के सत्र में रिसर्च एनालिस्ट ने कहा, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के मदरसे दुनिया में आतंक के अड्डे

जेनेवा (एजेंसी)। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज के एक रिसर्च एनालिस्ट ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान में धार्मिक स्कूलों के आतंक के अड्डे बनने पर चिंता जताई है। यूनाइटेड नेशंस ह्यूमन राइट्स के 48वें सत्र में ऐनी हेकेंडॉर्फ ने कहा है कि यह बात जगजाहिर है कि दक्षिण एशिया में आतंक का खतरा बड़े पैमाने पर धार्मिक स्कूलों और तथाकथित मदरसों से बढ़ा है। इस्लाम की एक विकृत और अति-रूढ़ि.वादी विचारधारा अभी भी पाकिस्तान और अफगानिस्तान में अब भी बिना रुके फल-फूल रही है। हेकेंडॉर्फ ने कहा है कि तालिबान और खूंखार हक्कानी नेटवर्क जैसे संगठन पाकिस्तान के मदरसों से पैदा हुए हैं। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन देश की खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से ऑपरेशन जारी रखे हुए हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के कई धार्मिक अकूल और मदरसे युवाओं को जिहाद के लिए मजबूर करते हैं। यहां उन्हें दूसरे धर्मों के खिलाफ नफरत सिखाया जाता है और आतंक के रास्ते पर ले जाया जाता है।

हेकेंडॉर्फ ने कहा है कि दुनिया को तालिबान के वादों से खुश नहीं होना चाहिए। तालिबान शिक्षा को लेकर भी दुनिया से झूठ कह रहा है। तालिबान आर्थिक तौर पर कमजोर है। ऐसे में एक बार फिर एक और पीढ़ी आतंक के रास्ते पर जा सकती है। दुनिया को इस कट्टरपंथ से बचाने के लिए दुनिया को आगे आने की जरूरत है।

बेसुरा हो जाएगा अफगानिस्तान तालिबान के खौफ से मुल्क छोड़कर भाग रहे सिंगिंग स्टूडेंट

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबानी राज के आते ही महिलाओं के अलावा अगर सबसे ज्यादा नुकसान किसी को हुआ है तो वह है खेल और संगीत का। हालांकि, तालिबान ने आधिकारिक तौर पर संगीत क्षेत्र के लोगों पर कोई पाबंदी नहीं लगाई लेकिन अगले नोटिस तक सभी को घर पर रहने के आदेश जरूर दिया है। अब दो महीने होने के आए हैं, लेकिन तालिबान की ओर से कोई अगला आदेश जारी ही नहीं किया गया। अफगानिस्तान राष्ट्रीय संगीत संस्थान के 100 से अधिक छात्रों, पूर्व छात्रों व संकाय सदस्यों को शरण देने के लिए पुर्तगाल सरकार राजी हो गई है। जिसके बाद संस्थान के छात्र, संकाय सदस्य रविवार को काबुल से पुर्तगाल की तरफ रवाना हो गए हैं। संस्थान के निदेशक ने बताया कि रविवार को काबुल के अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से विमान ने 235 लोगों के साथ कतर के लिए उड़ान भरी थी। इसमें संगीत संस्थान के छात्र, पूर्व छात्र व संकाय सदस्य भी शामिल थे। स्कूल के संस्थापक और निदेशक अहमद सरमस्त ने आस्ट्रेलिया के मेलबर्न में स्थित अपने घर से कहा, आप कल्पना नहीं कर सकते कि मैं कितना खुश हूं। कल मैं घंटों रो रहा था।गौरतलब है कि तालिबान के अफगानिस्तान में काबिज होने के बाद से बड़ी संख्या में संगीत से जुड़े लोगों ने भी देश छोड़ा है। सरमस्त ने यह भी बताया कि अभी भी 184 फैकल्टी और छात्र अफगानिस्तान में ही हैं, जिन्हें धीरे-धीरे बचाकर दूसरे देशों तक ले जाना है। हालांकि अब तक नई तालिबान सरकार ने आधिकारिक तौर पर संगीत पर प्रतिबंध लगाने जैसा कदम नहीं उठाया है, लेकिन संगीतकारों को डर है कि अनौपचारिक प्रतिबंध लागू कर दिया गया है और कुछ तालिबान लड़ाकों ने अपने दम पर नियमों को लागू करना शुरू कर दिया है।

फ्रांस के चर्चों में यौन शोषण के शिकार हुए लाखों बच्चे, अपराधियों में से दो तिहाई पादरी

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस की चर्च में यौन शोषण की जांच कर रहे एक स्वतंत्र आयोग का मानना है कि पिछले 70 सालों में कैथोलिक चर्च में करीब 3.3 लाख बच्चे यौन शोषण का शिकार हुए हैं। रिपोर्ट जारी करने वाले आयोग के अध्यक्ष जीन मार्क सॉवे का मानना है कि इसमें 80 फीसद पीड़ित पुरुष हैं। यौन शोषण से पीड़ित करीब 60 फीसद लोगों को जीवन में और यौन जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ा है।

2.5 साल तक काम करके आयोग ने 2.5 हजार पेज की डॉक्यूमेंट तैयार की है जिसके केंद्र में कैथोलिक चर्च है। रिपोर्ट 1950 के दशक से चर्च, अदालत, पुलिस और प्रेस आर्काइव की स्टडी करके बनाई गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस दौरान 3 हजार अपराधियों में से दो तिहाई लोग चर्च में पुजारी थे। जांच की शुरुआत में शुरू किए गए एक हॉटलाइन को कथित पीडि.तों या ऐसे लोगों से 6,500 कॉल मिले जिन्होंने कहा

कि वे एक पीडि.ति को जानते हैं।

सौवे ने कहा कि 22 कथित अपराध जिन्हें अभी भी आगे बढ़ाया जा सकता है, उन्हें अभियोजकों को भेज दिया गया है। 40 से अधिक मामले जो कि मुकदमा चलाने के लिए बहुत पुराने हैं, लेकिन कथित अपराधियों को शामिल करते हैं जो अभी भी जीवित हैं, उन्हें चर्च के अधिकारियों को भेज दिया गया है। आयोग ने इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के तरीके के बारे में आयोग ने 45 सिफारिश की हैं।

यह रिपोर्ट फ्रांसीसी कैथोलिक चर्च को हिलाकर रख देने वाले पादरी बर्नार्ड प्रीनेट को लेकर हुए एक घोटाले के बाद आई है।

पिछले साल, प्रीनेट को नाबालिगों का यौन शोषण करने का दोषी ठहराया गया था और उन्हें पांच साल की जेल की सजा दी गई थी। उन्होंने दशकों तक 75 से अधिक लड़कों को गाली देने की बात स्वीकारी थी। प्रीनेट के एक पीड़ित ने मामले को लेकर कहा कि चर्च को न केवल घटनाओं को स्वीकार करना चाहिए बल्कि पीडि.तों को मुआवजा भी देना चाहिए। रिपोर्ट में जिन पीडि.तों की पहचान की गई है उनकी संख्या 'न्यूनतम' है। बता दें कि पोप फ्रांसिस ने मई 2019 में एक नया चर्च कानून जारी किया था। इसके तहत यौन उत्पीड़न के मामलों से अवगत लोगों के लिए इसकी जानकारी देना अनिवार्य बना दिया गया।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025